website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 258 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 26 अगस्त 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

भारतीय एयर डिफेंस वेपन सिस्टम का पहला टेस्ट सफल

यह सुदर्शन चक्र मिशन का एक हिस्सा, ड्रोन अटैक के खिलाफ रक्षा कवच बनेगा

चांदीपुर (एजेंसी)। भारतीय रक्षा अनुसंधान संगठन ने ओडिशा के तट पर इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम का पहला टेस्ट किया है। यह एक मल्टीलेयर एयर डिफेंस सिस्टम है, जिसमें सभी स्वदेशी क्विक एक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल, एडवांस्ड वैरी शॉर्ट एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइलें और हाई पावर लेजर बेस्ड डायरेक्टेड एनर्जी वेपन शामिल हैं। यह परीक्षण शनिवार (23 अगस्त) को किया गया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। उन्होंने लिखा- इस परीक्षण ने हमारे देश की मल्टी लेयर एयर डिफेंस कैपेबिलिटी बढ़ाई है। यह सिस्टम दुश्मन के हवाई खतरों के खिलाफ रीजनल डिफेंस को मजबूती देगा। यह सुदर्शन चक्र मिशन का एक हिस्सा माना जा रहा है। यह स्वॉर्म (एकसाथ छोड़े गए कई ड्रोन्स) ड्रोन अटैक के खिलाफ रक्षा कवच बनेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से दिए अपने भाषण में सुदर्शन चक्र मिशन की घोषणा की थी।

● **भारत के पास है आकाशतीर डिफेंस सिस्टम**– पंजाब के आदमपुर एयरबेस से 13 मई को पीएम मोदी ने जिस एयर डिफेंस सिस्टम की तारीफ की थी, वह भारत का आकाशतीर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इसकी मदद से ही पाकिस्तान की ओर से आ रहे सैकड़ों ड्रोन, मिसाइल और रॉकेट को हवा में ही मार गिराया गया था। इसे भारत का आयरन डोम कहा गया है। आकाशतीर एक स्वदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस–पावर्ड एयर डिफेंस सिस्टम है जिसे भारतीय सेना के लिए डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन, इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने संयुक्त रूप से डिजाइन और डेवलप किया है। इसका काम लो–लेवल एयरस्पेस की निगरानी करना और ग्राउंड पर तैनात एयर डिफेंस वेपन सिस्टम को कंट्रोल करना है। आकाशतीर रडार, सेंसर और कम्युनिकेशन सिस्टम को इंटिग्रेट करके सिंगल नेटवर्क बनाता है।

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग ने दिखाई ताकत

● दक्षिण कोरिया और अमेरिका के सैन्य अभ्यास के बीच दागी 2 नई मिसाइल

प्योंगयांग (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया और अमेरिका के वार्षिक सैन्य अभ्यास के बीच, उत्तर कोरिया ने देश की सैन्य ताकत का प्रदर्शन करते हुए हवाई हमलों को रोकने में सक्षम दो नयी मिसाइल का परीक्षण किया। देश के नेता किम जोंग उन इस परीक्षण के दौरान मौजूद रहे। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी ने अपनी खबर में बताया कि परीक्षण ने दर्शाया कि ये मिसाइल ड्रोन और क्रूज मिसाइल के हमलों से निपटने में सक्षम हैं।

अब भारत 100 देशों को एक्सपोर्ट करेगा 'ईवी'

● मोदी बोले-दुनिया को धीमी विकास दर से निकालेगा बाहर

पीएम ने कहा-हमारे पास तेज धारा को मोड़ने की है ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत अब दुनिया को धीमी विकास दर से बाहर निकालने की स्थिति में है। उन्होंने कहा कि हम ठहरे हुए पानी में कंकड़ फेंकने वाले लोग नहीं हैं। हम तेज बहती धारा को भी मोड़ने की ताकत रखते हैं। भारत अब समय की धारा को भी दिशा देने की क्षमता रखता है। पीएम ने कहा- भारत अब एक बड़ा माइलस्टोन हासिल करने जा रहा है। देश जल्द ही 100 देशों को इलेक्ट्रिक वाहन निर्यात करेगा। भारत की प्रगति का आधार रिसर्च और इनोवेशन है। उन्होंने कहा बाहर (विदेश) से खरीदी गई रिसर्च सिर्फ जीने भर के लिए काफी है, लेकिन भारत की बड़ी आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकती। केंद्र सरकार ने रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए लगातार नीतियां और नए प्लेटफॉर्म बनाए हैं। भारत अब सिर्फ गाड़ियां ही नहीं, बल्कि मेट्रो कोच, रेल कोच और लोकोमोटिव (रेल इंजन) भी विदेश भेज रहा है। उन्होंने यह बात ईटी वर्ल्ड लीडर्स फोरम 2025 में ये बात कही। 2014 से पहले भारत का ऑटोमोबाइल निर्यात करीब 50,000 करोड़ सालाना था। आज यह बढ़कर 1.2 लाख करोड़ सालाना हो गया है। जून 2025 में 22 लाख नई नौकरियां ईवी डेटा में दर्ज हुईं, जो अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। भारत की महंगाई दर 2017 के बाद सबसे निचले स्तर पर है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। 2014 में भारत की सोलर पैनल निर्माण क्षमता सिर्फ 2.5 गीगावॉट थी। अब यह बढ़कर 100 गीगावॉट हो गई है। दिल्ली एयरपोर्ट अब दुनिया के उन छह एयरपोर्ट्स की लिस्ट में आ गया है, जहां हर साल 100 मिलियन (10 करोड़) से ज्यादा यात्री आते-जाते हैं। हाल ही में एजेंसी ने भारत की क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया है। यह अपग्रेड लगभग 20 साल बाद हुआ है। आने वाले समय में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। हमारा वैश्विक विकास में योगदान आगे पहुंच जाएगा।

जर्मनी से 70 हजार करोड़ में 6 पनडुब्बियां खरीदेगा भारत

जर्मन कंपनी से बातचीत को मंजूरी, इजराइल से भी रेम्पेज मिसाइल लेगी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार वायुसेना और नौसेना की ताकत बढ़ाने के लिए दो बड़ी डील करने के लिए तैयार हो गई है। पहली डील रक्षा मंत्रालय और मझगांव डॉकयार्ड्स लिमिटेड जर्मनी से 6 सबमरीन खरीदने वाली है। सरकार ने प्रोजेक्ट 75 इंडिया के तहत भारत में बनने वाली

इन पनडुब्बियों की खरीद को लेकर बातचीत शुरू करने की मंजूरी दे दी है। यह डील 70 हजार करोड़ में हो सकती है। वहीं, भारत सरकार इजराइली रैम्पेज एयर–टू–ग्राउंड मिसाइलों की बड़ी खेप खरीदने वाली है। सूत्रों के अनुसार, यह ऑर्डर जल्द ही फास्ट–ट्रैक प्रक्रिया के तहत दिया जाएगा। रैम्पेज मिसाइलों का इस्तेमाल पाकिस्तान के मुरीदके और बहावलपुर स्थित आतंकवादियों मुख्यालयों पर सटीक हमलों में किया था। रक्षा मंत्रालय ने जनवरी में जर्मन कंपनी थिसेनक्रूप मरीन सिस्टम्स के साथ एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन सिस्टम वाली छह पनडुब्बियां बनाने के लिए मझगांव डॉकयार्ड को साझेदार चुना था।

यूरोपीय देशों ने भी रोकी अमेरिका की डाकसेवा

ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस और इटली शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के बाद कई यूरोपीय देशों ने भी अमेरिका के लिए डाक सेवाएं सस्पेंड कर दी हैं। इनमें भारत, इटली, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, ऑस्ट्रिया समेत कई देश शामिल हैं। सर्विस सस्पेंड होने की वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नए टैरिफ नियम हैं। दरअसल, ट्रम्प प्रशासन ने इसी साल 30

जुलाई को आदेश जारी किया था, जिसमें 800 डॉलर (70 हजार रुपए) तक के सामान पर मिलने वाली टैरिफ छूट को खत्म कर दिया गया है। यह छूट 29 अगस्त से खत्म हो जाएगी। यूरोपियन डाक संगठन पोस्ट यूरोप और दूसरे डाक विभागों के मुताबिक नए नियमों पर अब तक साफ जानकारी नहीं दी गई है। इसलिए फिलहाल डाक से सामान भेजने की सेवाएं रोकी जा रही हैं।

भाजपा वाले मार देंगे, जेल हम लोग जाएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया है। लखनऊ में रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने कहा– विधायक पूजा पाल को भाजपा वाले मार देंगे, जेल हम लोग जाएंगे। इसलिए जांच होनी चाहिए कि पूजा पाल को किससे खतरा है। यूपी सरकार पर भरोसा नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि कोई सीएम से मिल रहा हो और उसे जान का खतरा हो। इस मामले में सपा ने गृहमंत्री को लेटर लिखा है। पूरी जांच की जानी चाहिए। पूजा पाल जितने साल तक सपा के साथ थीं, तब उन्हें कोई जान का खतरा नहीं था। दरअसल, दो दिन पहले पूजा पाल ने एक्स पर लेटर पोस्ट करके अखिलेश यादव पर आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि अगर मेरे पति की तरह मेरी हत्या हो तो इसका दोषी समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव को माना जाए।

भारत में एक बूंद खून बहाए बिना होता रहा है सत्ता परिवर्तन

दिल्ली में बोले अमित शाह, स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को दिल्ली विधानसभा में ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। यह कॉन्फ्रेंस दो दिन चलेगी। इसमें 29 राज्यों की विधानसभाओं के स्पीकर और छह राज्यों की विधान परिषदों के सभापति और उपसभापति शामिल हुए हैं। कॉन्फ्रेंस में शाह के अलावा राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष मीरा कुमार और कई केंद्रीय कैबिनेट मंत्री भी शामिल होंगे। दिल्ली विधानसभा स्पीकर

विजेंदर गुप्ता ने बताया कि 24 अगस्त, 1925 को विट्ठलभाई पटेल सेंट्रल असेंबली के पहले भारतीय स्पीकर चुने गए थे। इसके 100 साल पूरे होने पर यह कॉन्फ्रेंस हो रही है। अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा– जब हमारा देश आजाद हुआ तो चर्चा होती थी। लोग मखौल उड़ाते थे कि देश कैसे चलाएंगे। मगर आज मैं गौरव के साथ इस ऐतिहासिक सदन में कह रहा हूं कि हमने 80 साल में लोकतंत्र की नींव को पाताल से गहरा डालने का काम किया है। और हमने सिद्ध किया है कि भारतीय जनता की रग–रग में, भारतीय जनता के स्वभाव में लोकतंत्र है। क्योंकि, कई देश हमने देखें हैं, जिनकी शुरुआत तो लोकतांत्रिक तरीके से हुई। मगर एक दशक, दो दशक, तीन दशक, चार दशक होते होते यह खत्म हो गया।

घरों में घुसा चंबल का पानी, बुलाई गई सेना

● राजस्थान के कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर और टोंक में बाढ़ ● जम्मू के आईआईईएम कैंपस में भरा पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में लगातार बारिश होने से कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर और टोंक में बाढ़ जैसी स्थिति है। बूंदी में चंबल का पानी घरों में घुस गया। स्टेट हाईवे की सड़क उखड़ गई। राहत-बचाव के लिए सेना बुलाई गई है। एयरफोर्स का एमआई-17 हेलीकॉप्टर भी तैनात किया गया है। जम्मू-कश्मीर में तेज बारिश के चलते इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन कैंपस परिसर में पानी भर गया। हॉस्टल की बिल्डिंग एक मंजिल तक डूब गई। 150 स्टूडेंट बिल्डिंग के ऊपरी हिस्से में फंसे हैं। एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू कर रही है। यूपी में भी बारिश से डैम, नदियां और नाले उफान पर हैं। अब तक 8 बांधों के गेट खोले जा चुके हैं। मिर्जापुर में अहरौरा बांध ओवरफ्लो हो गया है। इसके चलते 9 साल बाद 22 गेट खोलने पड़े। प्रदेश में 20 से ज्यादा गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। कई खेत पानी में डूब गए। मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार को देश के 29 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में बारिश का अलर्ट है। विभाग ने राजस्थान में रेड, उत्तराखंड-मध्य प्रदेश समेत 6 राज्यों में ऑरेंज और यूपी-बिहार समेत 22 राज्यों में यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- जो साइक्लोनिक सर्कुलेशन पिछले 48 घंटे से मध्य प्रदेश-राजस्थान की सीमा पर रुका था, वह थोड़ा आगे बढ़कर दक्षिण-पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान के ऊपर आ गया है। मानसून ट्रफ लाइन शुक्रवार को गंगानगर, चूरू, ग्वालियर (एमपी), सतना (एमपी), डालटनगंज (झारखंड) से होकर बंगाल की खाड़ी में बने लो-प्रेशर सिस्टम तक गुजर रही है। इस सिस्टम के कारण राजस्थान में बारिश जारी है।

आरजेडी से गठबंधन के कारण बिहार में कमजोर हुई कांग्रेस

● मंत्री अशोक चौधरी बोले-20 साल से 20 सीट नहीं जीत पाई पार्टी, इतिहास इसका गवाह है

पटना (एजेंसी)। जेडीयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री अशोक चौधरी ने कांग्रेस और लालू प्रसाद यादव की नजदीकियों पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जब तक लालू प्रसाद यादव के साथ रहेंगे, तब तक कांग्रेस बिहार में कभी खड़ी नहीं हो सकती। चौधरी ने कहा कि इतिहास गवाह है, जिस दिन से सीताराम केसरी ने लालू प्रसाद यादव से गठबंधन कराया, उसी दिन से बिहार में कांग्रेस का पतन शुरू हो गया और आज यह दल पूरी तरह से हाशिए पर है। चौधरी ने तंज कसते हुए याद दिलाया कि एक समय राहुल गांधी ने लालू प्रसाद यादव के लिए अमेंडमेंट बिल तक फाड़ दिया था, लेकिन आज उन्हीं के साथ मिलकर

बिहार में सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता सब देखती है और उसका फैसला करती है।

योगी ने म्यान से तलवार निकालकर खिंचवाई फोटो

● गोरखपुर में बोले-जब सनातन पर संकट आया, सिखों ने बलिदान दिया

गोरखपुर (एजेंसी)। सीएम योगी रविवार को गोरखपुर के पैडलेगंज में गुरुद्वारा पहुंचे। यहां सिख संतों ने योगी को भगवा पगड़ी पहनाई। तलवार भेंट की। म्यान से तलवार निकालकर योगी ने सिख संतों के साथ फोटो क्लिक कराई। योगी ने गुरुद्वारे के सुंदरीकरण (रेनोवेशन) कामों का लोकार्पण किया। कहा- मैं बहुत पहले यहां पैडलेगंज गुरुद्वारे में आया था। मुझे यहां सुविधाओं का अभाव लगा। आज मैं यहां आया तो देखा कि बहुत काम हुए हैं। अब यहां पर भी गुरुवाणी के पाठ हो पाएंगे। योगी ने कहा-जब भी सनातन पर संकट आया, सिख गुरुओं ने बलिदान करने में कसर नहीं छोड़ी।

एकजुट होकर कर रहे हैं काम, नतीजे सार्थक होंगे

राहुल गांधी बोले-बिहार में नहीं होने देंगे वोट चोरी

अररिया (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के सभी घटक आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एकजुट होकर काम कर रहे हैं और परिणाम फलदायी होंगे। अररिया में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के साथ रविवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि इस वर्ष के अंत में होने वाले चुनावों के लिए 'इंडिया' जल्द ही एक साझा घोषणापत्र जारी करेगा। विपक्षी गठबंधन के सभी घटक वैचारिक और राजनीतिक रूप से एकजुट होकर काम कर रहे हैं और परिणाम फलदायी होंगे। केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर तीखा हमला करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पूर्वी राज्य में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) भाजपा की मदद के लिए वोट चुराने का निर्वाचन आयोग का संस्थागत प्रयास है। उन्होंने कहा कि, हम निर्वाचन आयोग को बिहार में वोट चुराने की इजाजत नहीं देंगे। राहुल गांधी ने कहा कि वे किसी हाल में बिहार में वोटों की चोरी नहीं होने देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा की पार्टनर बन चुका है। कांग्रेस के नेता ने कहा कि इस यात्रा की सफलता यह साबित करती है कि बिहार के करोड़ों लोग वोट चोरी हो रहे हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

मोदी ट्रंप की दोस्ती दुश्मनी में बदली

ट्रंप अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव जीते तो भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दोस्त की जीत बताया गया। ट्रंप को हिंदूत्व का साथ देने वाला शासक बताया गया। ट्रंप की जीत पर हवन किया और खुशी मनाई गई। लेकिन ट्रंप और मोदी की दोस्ती ज्यादा दिन नहीं चली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री की दोस्ती को ज्यादा अहमियत नहीं दी। अमेरिका दौरे के दौरान संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस के समय पत्रकारों द्वारा मोदी की बेइज्जती करवाई। ट्रंप को पता था कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीधे तौर पर पत्रकारों के जवाब नहीं देते हैं फिर भी अमेरिकी राष्ट्रपति ने दोनों राष्ट्रीय अध्यक्षों की संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस आयोजित करवाई। इसी तरह भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम को लेकर डोनाल्ड ट्रंप ने 28 बार कहा कि मैंने भारत-पाकिस्तान का युद्ध रुकवाया है। बार-बार ऐसा वक्तव्य देकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मोदी और भारत देश की बेइज्जती की है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की संसद में कहा कि भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम में किसी देश की प्रत्यक्ष भूमिका नहीं है। मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बहुत गहरा दोस्त मानते थे और मुलाकात के दौरान गले मिलकर स्नेह का इजहार करते थे। लेकिन वही डोनाल्ड ट्रंप अब प्रधानमंत्री मोदी और भारत के साथ सौतेला व्यवहार कर रहे हैं। अब ऐसा लगने लगा है कि इजरायल के साथ भी भारत की दोस्ती ज्यादा दिन चलने वाली नहीं है। क्योंकि इजरायल अंदरूनी तौर पर अमेरिका का प्रोक्सी देश है। पश्चिम एशिया में मुस्लिम देशों को नियंत्रित करने के लिए अमेरिका ने इजरायल को विकसित किया है। इजरायल जो भी करता है अमेरिका के इशारे पर करता है। बिना अमेरिका के इजरायल का अस्तित्व ज्यादा दिन तक नहीं रहने वाला है। इजरायल के मुस्लिम विरोधी नीतियों के कारण भारत की भाजपा सरकार ने इजरायल से नजदीकियां बढ़ाई और इजरायल का हर तरह से समर्थन किया है। मोदी सरकार ने इजरायल की सहायता करने से पहले फिलिस्तीन और मुस्लिम देशों के हितों का भी ध्यान नहीं रखा। जबकि भारत की पूर्ववर्ती सरकारों ने हमेशा स्वतंत्र फिलीस्तीन की पैरवी की थी। मोदी सरकार ने हमास, हिजबुल्ला और ईरान युद्ध के समय इजरायल को हजारों की संख्या में मैनपावर की आपूर्ति की जो भारत के हित में नहीं कहा जा सकता है। अब मोदी जी की दोस्ती डोनाल्ड ट्रंप से नहीं रही है। इसलिए माना जा रहा है कि इजरायल से भी भारत की दोस्ती ज्यादा टिकने वाली नहीं है। दूसरी तरफ इजरायल पूरी तरह बर्बाद देश बन चुका है। इजरायल का भविष्य भी अंधकार में दिखाई देता है। इजरायल को मजबूरी में फिलीस्तीन को आजाद करना पड़ेगा। इजरायल और भारत की दोस्ती भारत के हित में नहीं हो सकती है। क्योंकि भारत, इजरायल और मुस्लिम देशों को एक साथ दोस्त नहीं बना सकता है। देश की आर्थिक तरक्की के लिए मुस्लिम देशों के साथ व्यापार करना जरूरी है। वैसे जब से मोदी जी की दोस्ती डोनाल्ड ट्रंप से बिगड़ी है तब से चीन और रूस से दोस्ती बढ़ी है। रूस पहले भी भारत का दोस्त रहा है। लेकिन चीन से दोस्ती करने में मोदी जी को सतर्क रहना होगा। क्योंकि चीन अपने आप को शक्तिशाली बनाने के लिए कुछ भी कर सकता है। कभी भी बदल सकता है। जबकि मोदी जी की नीति भावनात्मक ज्यादा है। देश से ज्यादा हिंदूत्व और मुस्लिम विरोध पर ज्यादा आधारित है।

आखिर मुसलमान इंसाफ की उम्मीद किससे रखें ?

आज देश में मुसलमान होना ही एक तरह का जुर्म हो गया है। सत्ता में बैठे लोग उनके खिलाफ नफरत फैला रहे हैं। न्यायपालिका सहित सभी संवैधानिक संस्थाएं खामोश हैं?

आज देश में मुसलमान होना ही एक तरह का जुर्म हो गया है। सत्ता में बैठे लोग उनके खिलाफ नफरत फैला रहे हैं। न्यायपालिका सहित सभी संवैधानिक संस्थाएं खामोश हैं? ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर मुसलमान इंसाफ की उम्मीद किससे रखें। यह सब सवाल इसलिए उठ रहे हैं कि भाजपा शासित राज्यों की सरकारें लगातार मुसलमानों के संवैधानिक अधिकारों को छीन रही है। उनको हाशिये पर धकेल रही है। इस बार स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हो हुए तो प्रधानमंत्री मोदी जी ने सारी स्थापित परंपराओं को दर किनार कर दिया। उन्होंने संघ को विश्व का सबसे बड़ा एनजीओ बताते हुए उसे देश सबसे बड़ा देश भक्त संगठन घोषित कर दिया। यह वह संगठन है जिसका देश की आजादी में कोई योगदान नहीं था और मुसलमानों के खिलाफ इस संगठन की नफरत किसी से छुपी हुई नहीं है। इस संगठन के दूसरे संघ सरचालक गुरु गोवलकर ने एक पुस्तक "द बंच ऑफ थोट" लिखी थी। जिसमें उन्होंने खुलकर देश को हिंदू राष्ट्र बनाने की घोषणा की थी। उसी में उन्होंने बताया था कि हिंदू राष्ट्र कैसा होगा। उस राष्ट्र में मुसलमानों और ईसाई के लिए क्या व्यवस्था होगी। गुरु गोवलकर हिंदू राष्ट्र बनाने में चार बाधाएं मानते थे एक मुसलमान दूसरे वामपंथी और तीसरे ईसाई चौथे दलित। सबसे पहले उन्होंने वामपंथियों को निशाना बनाया और धीरे-धीरे उसे खत्म कर दिया। ले देकर कुछ वामपंथी केरल में बचे हैं। लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर उनकी भूमिका को नष्ट कर दिया। फिर दलितों पर फोकस किया और जो दलित इस देश का मूल निवासी था। उसके एक बहुत बड़े हिस्से का हिंदुकरण करने में संघ कामयाब रहा। यह वही दलित वर्ग है जो धार्मिक जुलूसों में मस्जिदों के सामने नाच रहा है। दरगाहों और मस्जिदों में तोड़फोड़ करके व उन पर भगवा झंडा फहरा रहा है। कावड़ यात्रा में मुसलमानों पर हमले कर रहा है। यानि दलितों वाला रोड़ा हटाने में भी संघ कामयाब हो गया। अब बच रहे मुसलमान और ईसाई तो पहली बार ईसाइयों की संख्या कम है और उन्होंने लगभग समर्पण भी कर दिया है। जिन्होंने नहीं किया उनके साथ मणिपुर कांड किया गया और मैसेज दिया कि समर्पण कर दो अन्यथा मणिपुर जैसा कांड अन्य ईसाई बहुल राज्यों में भी दोहराया जा सकता है। अब बच रहे हैं मुसलमान जो देश की दूसरी सबसे बड़ी आबादी है। इसलिए यह हिंदू राष्ट्र के सपने में सबसे बड़ी बाधा है। इसलिए भाजपा शासित राज्यों में लगातार इनको निशाना बनाया जा रहा है, ताकि यह भी समर्पण कर दें, बंगाल में क्योंकि भाजपा की सरकार नहीं है तो बांग्ला भाषी मुसलमानों को भाषा के आधार पर निशाना बनाया जा रहा है। जो भी मुसलमान बांग्ला भाषी है उसे बांग्लादेशी बताकर अवैध घुसपैठिया बताकर यातनाएं दी जा रही हैं । सवाल यह है कि सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्र सरकार और केंद्रीय एजेंसियों की होती है और ग्यारह साल से तो केंद्र में भाजपा की सरकार है। फिर अवैध बांग्लादेशियों की घुसपैठ कैसे हुई ? अगर हुई तो फिर केंद्र की सरकार और केंद्र की एजेंसियां क्या कर रही थीं ? लेकिन इस सवाल का जवाब देने को कोई तैयार नहीं है। उनका मकसद सवाल का जवाब देना भी नहीं है। उनका मकसद है मुसलमानों को परेशान करना और उनकी नागरिकता छीनना। क्योंकि गोवलकर के हिन्द राष्ट्र की परिकल्पना में स्पष्ट किया था कि मुसलमान और ईसाई इस देश में रह सकते हैं। लेकिन उनका कोई नागरिक अधिकार नहीं होगा। वोट डालने का अधिकार भी नहीं होगा यानि हिंदुओं के रहमो करम पर इस देश में रह सकते हैं और भाजपा की सरकारें देश के मुसलमानों के लिए ऐसे ही हालात पैदा करने में लगी हुई हैं । बात करते हैं भाजपा शासित राज्य सरकारों की । महाराष्ट्र की सरकार ने सावन के महीने में सारे मीट की दुकान बंद करवा दी, जिससे हजारों मुसलमानों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया। कानून बनाकर मस्जिदों पर माइक से अजान पर पाबंदी लगा दी। असम का मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा को संविधान की परवाह ही नहीं है। वह संविधान का धत्ता बताते हुए खुले आम देश को हिंदू राष्ट्र बता रहा है और न्यायपालिका में हिम्मत नहीं हुई कि कैसे वे खुले आम संविधान विरोधी कार्य कर रहे हैं। क्योंकि संविधान के अनुसार तो भारत एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है। असम में मुख्यमंत्री ने लगभग राज्य के चार सौ मदरसे बंद करवा दिए। इतना ही नहीं बरसात में बीस हजार मुस्लिम परिवारों के घरों पर बुलडोजर चला दिया और बरसात में खुले में ला पटका। लेकिन दूसरी तरफ मुख्यमंत्री ने एक जिले की 9000 एकड़ जमीन उद्योग लगाने के लिए मुफ्त में अडानी को दे दी और इस अन्याय के खिलाफ किसी भी संवैधानिक संस्थान ने अब तक कोई कार्यवाही नहीं की है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी तो उत्तराखंड को ही मुस्लिम मुक्त बनाना चाहता है। वहां लगातार दरगाहों को हटाया जा रहा है, मस्जिदों को तोड़ा जा रहा है। अब तो मुख्यमंत्री ने ऐलान कर दिया है कि वह उत्तराखंड में मदरसा बोर्ड को बंद कर रहे हैं। यानि स्कूल आप खोलेंगे नहीं और मदरसा बोर्ड को बंद कर देंगे तो सीधा सवाल उठता है कि आप मुसलमान बच्चों से शिक्षा हासिल करने का अधिकार छीन लेना चाहते हैं। धार्मिक शिक्षा हासिल करना उनका संवैधानिक अधिकार है। पुष्कर धामी उस अधिकार को छीन लेना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी जी का तो जवाब ही नहीं है। उन्होंने राज्य की हजारों स्कूलों को बंद कर दिया है। लगातार मदरसों को बंद कर रहे हैं । उनकी राज्य के विकास या कानून व्यवस्था सुधारने में कोई दिलचस्पी नहीं है। उनका विकास मॉडल है जिन शहरों का नाम मुसलमानों के नाम पर है उनके नाम बदले जा रहे हैं। चाहे इलाहाबाद हो या मुगल सराय हो उनके नाम बदल दिए गए हैं। कावड़ यात्रा पर मुस्लिम दुकानदारों को लगातार परेशान किया जा रहा है। हर राज्य में चारागाह भूमि होती है, उत्तर प्रदेश में भी है और इस भूमि पर कब्जा करने में सभी समुदाय के लोग शामिल हैं। लेकिन योगी जी की सरकार ने आदेश निकाला कि जिस चारागाह भूमि पर यादवों और मुसलमानों ने कब्जा कर रखा है उसका अतिक्रमण हटाया जाए और अतिक्रमण करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाए । जब आदेश राष्ट्रीय मुद्दा बना तो योगी जी को मजबूर होकर यह भेदभाव पूर्ण आदेश वापस लेना पड़ा है। योगी जी का एक आदेश आज कल बहुत चर्चा में है मुरादाबाद के मुस्लिम बैंड वालों को आदेश दिया गया है कि यदि उनके बैंड का नाम हिंदू देवी देवता जैसे शिव बैंड या श्री बैंड जैसा है तो फौरन उसे हटाए और बैंड का मुस्लिम नाम रखें। यह है उत्तर प्रदेश के योगी जी का विकास मॉडल । राजस्थान हमेशा से एक शांत प्रदेश रहा है, लेकिन अब इसको भी अशांत करने के प्रयास शुरू हो गए हैं। यहां भी धार्मिक जुलूसों, मस्जिदों के आगे नाच गाने शुरू हो गए हैं। चिकित्सा जिसको सेवा का काम माना जाता है। इसमें भी साम्प्रदायिकता को घुसाया जा रहा है। गत दिनों टोंक में एक मुस्लिम ट्रेनी चिकित्सक के हिजाब को लेकर एक सीनियर हिंदू डॉक्टर ने बखेड़ा खड़ा कर दिया। पूरे शहर को सांप्रदायिकता की आग में झोंकने का प्रयास हुआ। जयपुर में तो एक विधायक है हवामहल से वे जब से चुनाव जीते हैं तब से कोशिश कर रहे हैं कि कैसे जयपुर का आपसी भाईचारा खत्म हो। वह हमेशा खुद को संविधान से ऊपर समझते हैं। कभी वह मुसलमानों की मीट होटल में चेक करने चले जाते हैं। कभी शियाओं के इमामबाड़े के कागज चेक करने चले जाते हैं। कभी मुसलमानों के आधार कार्ड चेक करने चले जाते हैं। इस बार तो उन्होंने सारी हदें पार कर दी। शिक्षाविदों के प्रोग्राम में मुंबई से आये एक मुस्लिम शिक्षाविद से जबरन भारत माता की जय और वंदे मातरम बुलवाने लगे और जब शिक्षाविद ने नहीं बोला तो विधायक ने वहां भीड़ को ऐसा उकसाया कि वहां मॉबलिचिंग जैसे घटना घट सकती थी। इस सारे मामलों के बावजूद देश की न्यायपालिका सहित सभी संवैधानिक संस्थाएं खामोश हैं । ऐसे में यह सवाल उठाना लाजमी है कि आखिर मुसलमान किस से इंसाफ की उम्मीद रखें ?

-डॉ. एस. खान

पुण्यतिथि पर विशेष....

शिक्षा की अलख जगाने वाले प्रमुख बैरिस्टर बदरुद्दीन तैयब जी

बदरुद्दीन तैयब जी का जन्म 10 अक्टूबर 1844 ईस्वी को बम्बई में एक बोहरा परिवार में हुआ था। उनके पिताजी उस ज़माने में भी सभी बच्चों को इंग्लिश शिक्षा के हिमायती थे। प्रारंभिक उर्दू शिक्षा, पर्सियन एवं कॉलेज की शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा के लिए वो लंदन चले गए। बदरुद्दीन तैयब जी एक प्रसिद्ध बैरिस्टर देशहित कार्यकर्ता व प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ थे। तैयब जी सन 1867 में बम्बई उच्च न्यायालय में ब्रिटिश शासन के समय पहले भारतीय बैरिस्टर थे, जिन्होंने वहां प्रैक्टिस शुरू की थी। वह सन 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के तीसरे अध्यक्ष 1887-88 तक रहे। वो 1875 से 1905 तक बम्बई विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य और (1882-86) तक बम्बई विधान परिषद के भी सदस्य रहे। वो सभी धर्मों में समानता, भाईचारा व मिलजुल कर प्रगति करने व कार्य करने के पक्षधर थे। उन्होंने मुसलमानों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बम्बई में 1874 ईस्वी में अंजुमन -ए-इस्लाम कॉलेज की स्थापना की। जो आज एक बड़ा शिक्षण संस्थान बन चुकी है। उन्होंने इस्लाम जिमखाने की भी स्थापना की जिसके जरिये मुस्लिम समाज भी सामाजिक तौर पर आगे बढ़े और सशक्त हो। सन 1895 में बदरुद्दीन तैयब जी बम्बई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त किये गए। वो पहले भारतीय थे। जो अंग्रेज़ी शासन काल मे इतने उच्च पदों पर नियुक्त किये गए थे। सन 1902 में वो बम्बई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए

गए थे। तैयब जी महिला शिक्षा के भी हिमायती थे। वो "जनाना सिस्टम" जो मुसलमानों में प्रचलित था, उसके पक्ष में नही थे। उन्होंने अपनी सभी बेटियों को उच्च शिक्षा दिलवाई ओर उन्हें पढ़ने के लिए इंग्लैंड भेजा। 19 अगस्त को 1906 को अचानक हृदय गति रुक जाने से इस महान शख्सियत का इंतकाल हो गया। उनके द्वारा किये गए कार्य हमेशा याद किये जाएंगे।

देवबंद और स्वतंत्रता संग्राम: भारतीय देशभक्ति का एक विस्तृत अध्याय

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के समृद्ध इतिहास में, औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध कई स्वर एक साथ उठे, कुछ हथियारों के साथ, कुछ विचारों के साथ, और कई अटूट नैतिक विश्वास के साथ। इनमें, उत्तर प्रदेश के एक प्रसिद्ध इस्लामी मदरसे, दारुल उलूम देवबंद की भूमिका एक शक्तिशाली, फिर भी अक्सर उपेक्षित अध्याय है। ऐसे समय में जब भारत के धार्मिक संस्थानों से अलग-थलग रहने की अपेक्षा की जाती थी, देवबंद न केवल एक आध्यात्मिक केंद्र के रूप में, बल्कि उपनिवेश-विरोधी प्रतिरोध के एक राजनीतिक केंद्र के रूप में भी उभरा। इसके विद्वानों और अनुयायियों का योगदान, जो गहरे इस्लामी मूल्यों पर आधारित होते हुए भी एक बहुलवादी, स्वतंत्र भारत के विचार के प्रति प्रतिबद्ध हैं, भारतीय मुसलमानों के देशभक्ति के जोश का प्रमाण है। देवबंद की विरासत का पुनर्पाठ केवल ऐतिहासिक न्याय के बारे में नहीं है; यह राष्ट्रीय एकता की विस्मृत भावना को पुनः प्राप्त करने के बारे में है। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के कुछ ही वर्षों बाद, 1866 में स्थापित, दारुल उलूम देवबंद औपनिवेशिक दमन के प्रति प्रतिक्रिया मात्र नहीं था, बल्कि यह वैचारिक अवज्ञा का एक कार्य था। जहाँ कई लोग अंग्रेजों को एक अदम्य शक्ति मानते थे, वहीं देवबंद के संस्थापकों का मानना था कि धार्मिक पहचान की रक्षा को राष्ट्र की स्वतंत्रता से अलग नहीं किया जा सकता। परिणामस्वरूप, यह संस्था धार्मिक शिक्षा और राजनीतिक चेतना का एक अनूठा संगम बन गई। देवबंद से उभरने वाली सबसे प्रमुख हस्तियों में मौलाना महमूद हसन थे, जिन्हें प्यार से शेखुल हिंद के नाम से जाना जाता था। उनके जीवन का कार्य राष्ट्रीय स्वतंत्रता के विचार से अभिन्न रूप से जुड़ा था। उन्होंने रेशमी रूमाल तहरीक (रेशमी पत्र आंदोलन) का नेतृत्व किया, जो भारत में ब्रिटिश-विरोधी ताकतों और क्रांतिकारी समूहों के साथ सहयोग करने का एक भूमिगत प्रयास था। अंग्रेजों द्वारा उनकी गिरफ्तारी और उसके बाद माल्टा निर्वासन ने आंदोलन को शांत नहीं किया, बल्कि इसने भारत के मुस्लिम समुदाय, विशेषकर युवा मौलवियों और छात्रों के बीच और अधिक प्रतिरोध को जन्म दिया। देवबंद का प्रभाव गुप्त गतिविधियों से कहीं आगे तक फैला हुआ था। इसने जमीयत उलेमा-ए-हिंद को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो स्वतंत्रता-पूर्व भारत के सबसे महत्वपूर्ण मुस्लिम राजनीतिक संगठनों में से एक था। मुस्लिम लीग, जो विभाजन की वकालत करती थी, के विपरीत, जमीयत ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ गठबंधन किया और धार्मिक आधार पर देश के विभाजन के विरुद्ध दृढ़ता से खड़ी रही। वास्तव में, जमीयत का रुख इस्लामी शिक्षाओं पर आधारित था, जो एकता (वहदत) और न्याय (अदल) पर ज़ोर देती थीं, और उस समय की अलगाववादी राजनीति के विरुद्ध एक नैतिक प्रति-कथा प्रस्तुत करती थीं। कई देवबंदी विद्वानों ने अहिंसक प्रतिरोध और सविनय अवज्ञा में भाग लिया और महात्मा गांधी और अन्य राष्ट्रवादी नेताओं के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़े रहे। देवबंद के एक अन्य प्रमुख व्यक्ति मौलाना हुसैन अहमद मदनी न केवल ब्रिटिश शासन के मुखर विरोधी थे, बल्कि समग्र राष्ट्रवाद (मुत्तहिदा कौमियत) के भी प्रबल समर्थक थे। उनका तर्क था कि सभी भारतीय: हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, एक राष्ट्र हैं और उन्हें औपनिवेशिक उत्पीड़कों के विरुद्ध सामूहिक रूप से उठ खड़ा होना चाहिए। इस वैचारिक प्रतिबद्धता की एक कीमत चुकानी पड़ी। देवबंदी विद्वानों को अंग्रेजों द्वारा बार-बार गिरफ्तार किया गया, प्रताड़ित किया गया और उन पर निगरानी रखी गई। उनके संस्थानों को परेशान किया गया और उनके आंदोलनों को कुचला गया। फिर भी, उनका संकल्प कभी नहीं डगमगाया। उनकी कक्षाएँ शिक्षा और राजनीतिक जागृति के केंद्र बन गईं। उनके उपदेश न केवल ईश्वर के बारे में, बल्कि गांधी, नेहरू और आज़ाद के बारे में भी बोलते थे। उनका धर्म दुनिया से पीछे हटने का नहीं, बल्कि उसे बदलने की प्रेरणा था। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में, दारुल उलूम देवबंद और उसके विद्वानों के योगदान को सम्मान का स्थान मिलना चाहिए। उन्होंने उपनिवेशवाद को न केवल विरोध के माध्यम से, बल्कि एक सतत बौद्धिक और आध्यात्मिक प्रतिरोध के माध्यम से चुनौती दी, जिसने मुस्लिम और भारतीय होने के अर्थ को नए सिरे से परिभाषित किया। देवबंद की यह कहानी हमारी युवा पीढ़ी को याद दिलाती है कि भारतीय मुसलमान हमेशा से स्वतंत्रता और न्याय के संघर्ष में सबसे आगे रहे हैं। अपनी स्वतंत्रता के नायकों का सम्मान करते हुए, हमें उस धर्मपीठ को नहीं भूलना चाहिए जिसने सत्ता के सामने सच बोला, उस मदरसे को जिसने शहीदों को जन्म दिया, और उस धर्म को नहीं भूलना चाहिए जो स्वतंत्रता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चला।

माँ बाप के हुकूक

यह बात है सन 937 ईस्वी की, यूरोप में जब यह फैसला लिया गया कि अस्पताल केवल मरीज़ों के इलाज के लिए ही नहीं, बल्कि उन बुज़ुर्गों की रहने की व्यवस्था के लिए भी बनाए जाएँ जिनका सहारा देने वाला कोई न हो। उसी समय इंग्लैंड के राजा एथेलस्टैन ने यॉर्क में सेंट पीटर हॉस्पिटल बनवाया। और इस प्रकार के अस्पतालों को ही पहले का ओल्ड एज होम माना जाता था, जो बुज़ुर्गों की सेवा के लिए बनाए गए थे। एथेलस्टैन को यह विचार तब आया जब उन्होंने यॉर्क के कैथेड्रल के पादरियों को अपने निजी पैसों से ग़रीबों को खाना खिलाते देखा। उन्होंने सोचा कि इसे स्थायी बना देना चाहिए, इसलिए उन्होंने इसके लिए धन दिया और इमारत बनवाई। यह अस्पताल पूरी तरह चैरिटी पर चलते थे — लोग दान करते और वहाँ रहने वाले अनाथ बुज़ुर्गों की देखभाल की जाती। धीरे-धीरे यही सिलसिला आज के ओल्ड एज होम के रूप में बदल गया। लेकिन सवाल यह है कि उस समय वे कौन से बुज़ुर्ग थे जिनकी देखभाल के लिए इतना बड़ा सिस्टम बनाना पड़ा, जो आज भी देखने को मिलता है?

उस दौर में लोगों के ओल्ड एज होम में आने की तीन सबसे बड़ी वजह थीं —

1. परिवार या बच्चे युद्ध में शामिल होते और मारे जाते — तब उनके माँ-बाप की देखभाल ओल्ड एज होम में की जाती।
2. रिश्तेदार या परिवार का सहारा न होना — कई लोग शादी नहीं करते, या तो चर्च के लिए अपने को समर्पित कर देते, या फिर दुनियावी तरक्की के लिए शादी नहीं करते (यह कारण आज भी मौजूद है)।
3. कमाने के लिए दूर जाना — लोग अपने माँ-बाप से दूर काम करने चले जाते और उन्हें ओल्ड एज होम में छोड़ देते।

इसके असर आज हमें भारत में भी दिखते हैं, जबकि भारत एक धार्मिक देश है जिसमें माँ-बाप का सम्मान सिखाया जाता है। लेकिन अफसोस की बात यह है कि आज भारत में भी 4000 से अधिक ओल्ड एज होम हैं। इसकी क्या वजह है, जबकि न तो अब वैसी युद्ध की स्थिति है, और अगर है भी तो परिवारिक व्यवस्था मौजूद है? आख़िर क्यों लोग अपने माँ-बाप को ओल्ड एज होम में भेज देते हैं? क्या वहाँ उनके माँ-बाप उतने ही खुश रहते हैं जितने अपने बच्चों के साथ? असल में, धर्म से दूरी और पश्चिमी सोच का असर एक बड़ा कारण है — केवल इस आधार पर कि वहाँ के लोगों के पास पैसा ज़्यादा है, वे अमीर हैं, तो ज़ाहिर है वे हँसी-ख़ुशी जीवन जी रहे होंगे। लेकिन ऐसा नहीं है। इस दुनिया में सबसे ज़्यादा आत्महत्याएँ अगर कहीं होती हैं तो वह है ग्रीनलैंड — जबकि वह भारत से कहीं अधिक विकसित है, जीवन-स्तर बेहतर है, प्रदूषण भी कम है, फिर भी लोग जीवन से परेशान हैं। इससे यह साफ़ है कि पैसों से ख़ुशी नहीं खरीदी जा सकती। और जहाँ तक सवाल है — ओल्ड एज होम में रहने वाले और परिवार के साथ रहने वालों में से सबसे अधिक कौन खुश रहता है — तो नेशनल लाइब्रेरी ऑफ़ मेडिसिन के मुताबिक, जिन बुज़ुर्गों का जीवन अपने परिवार के साथ बीतता है, उनकी क्वालिटी ऑफ़ लाइफ ओल्ड एज होम वालों की तुलना में कहीं बेहतर होती है। मतलब, माँ-बाप को दूर करके उनकी बददुआ भी ली और तरक्की भी नहीं मिली — क्योंकि जो लोग सबसे ज़्यादा तरक्कीशुदा हैं और अपने माँ-बाप से दूर रहते हैं, उनमें ही सबसे ज़्यादा डिप्रेशन है।

अब समाधान की तरफ चलते हैं — सबसे पहले, अल्लाह का डर। अगर यह डर निकल गया कि हमें हिसाब देना है, तो फिर जो दिल में आए करेंगे। लेकिन अगर हिसाब का डर हो, तो अल्लाह तआला फ़रमाता है —

सूरह अल-अंबिया (21:47)

"और हम क़यामत के दिन सही-सही तोलने वाले तराज़ू रख देंगे, फिर किसी पर ज़ुल्म न होगा। अगर कोई चीज़ राई के दाने के बराबर भी होगी, हम उसे लेकर आएंगे। और हम हिसाब लेने के लिए काफी हैं।" अल्लाह तआला आपके माँ-बाप के बारे में भी सवाल कर सकता है। लेकिन यह सब तभी असरदार होगा जब ईमान होगा — अगर ईमान ही नहीं और अपने मनमाने तरीक़े से ज़िंदगी गुजारनी है तो फिर जो दिल में आए करते रहो।

-मोहम्मद सोहेल

(पिछले अंक से जारी)

जिंदगी मुख्तलिफ शुअरा की नजर में......

उसकी जिंदगी चाहे आला मैयार की हो उसको जिंदगी तमाम आराम व आसाइस मयस्सर हो खूब माल व दौलत हो, औलादें हो, रहने के लिए आलिशान महल जैसा मकान हो, मगर वो उसे पर वह खुश नहीं रहता है । हमेशा शिकवा ही करता रहता है । मसल मशहूर है कि इंसान किसी भी हाल में कभी खुश नहीं रहता । सब कुछ मिल जाने के बाद भी अगर हालात बदल जायें और उसकी जिंदगी में गुरबत और फ़ाकाकशी आ जाए जो अक्सर लोगों की जिंदगी में शिकवे शिकायत उसकी जबान पर होते हैं । इंसान की इस हालत को ग़ालिब ने अपने एक शेर में इस तरह बयान किया है-

जिंदगी जो इसी शक्ल में गुजरी "ग़ालिब"
हम भी क्या याद करेंगे कि खुदा रखते थे ।

गालिब का यह शेर यूँ मायने हैं यानि दो मायने निकलते हैं एक माने तो यह है कि अल्लाह ने हमारी जिंदगी खूब अच्छी गुज़ारी । इस तरह के सामान ऐसो इशरत हमें हासिल थे । यह सब अल्लाह का एहसान था दूसरी तरफ इस शेर से यह मतलब भी निकलता है कि शायर अपने इस शेर में खुदा से शिकवा कर रहा है कि उसकी जिंदगी तंगी और कसमपुर्सी की हालत में गुजरी है । क्या खुदा उसको भूल गया है । दूसरों को ही अपनी अता और नवाजिशों से नवाजता है । इस बात पर उसको शिकवा है कि हम भी जिंदगी में यह याद रखेंगे कि हमारा भी कोई खुदा था, मगर हम पर उसकी नवाजिशें नहीं थी । एक शायरा है "अस्मत" उन्होंने भी जिंदगी में आने वाली मुसीबतों और गमों को अपने रब की मेहरबानियां समझा है । जिनके सबब उनकी जिंदगी बड़ी तारीक हो गई है और उदासी उनका मुकद्दर बन गई है । जिसकी वजह से वो मुस्कुराना चाहते हुए भी मुस्कुरा नहीं सकती है। गोया वह मुस्कुराना ही भूल गई हैं। उनका शेर इस तरह से है-

ग़मे ज़िंदगी की मेहरबानियां हैं
कोई किसी तरह आज कल मुस्कुराये।

अस्मत की बात तो सही है आज के इंसान की जिंदगी में इतनी उलझनें पेचीदगियां और दुश्वारियां पैदा हो गई हैं कि इंसान उनमें उलझ कर रह गया है। इसी कैफियत को एक शायर ने इस तरह बयान किया है-

फिक्र-ए-मआशा इशके बुतां याद रफतगां
इस जिंदगी में अब कोई क्या-क्या किया करें।

गरज़े के इन हालात से इंसान मायूस हो जाता है वो हर वक्त गमो फिक्र के समंदर में गोताजन रहता है और सोचता रहता है कि इस समुद्र से कैसे निकला जाए ! किस तरह अपनी उदासी और गमों से भरी जिंदगी में बाहर लाई जाए ! लेकिन जब उसकी तमाम तदाबीर नाकाम होती नजर आती हैं और उसको चारों तरफ एक अंधेरा नजर आता उसे वक्त उसको महसूस होता है कि उसकी जिंदगी तो एक मशअल की तरह जिसका काम जलने के सिवा कुछ और नहीं है। ऐसी कैफियत में उसकी कोई खुशी भी याद आती है तो वो भी उसके लिए आंसुओं का सबब बन जाती है, इन हालात को एक शायर ने इस तरह बयां किया है -

हयात (जिंदगी) एक मशअले गम के सिवा कुछ भी नहीं।
खुशी भी याद आती है तो आंसू बनके आती है।

इंसान की जिंदगी में खुशी और गम की आंख मिचौली चलती है। मसल भी मशहूर है कि गम और खुशी का चोली दामन का साथ है । इंसान की हर मुमकिन कोशिश होती है कि वह अपनी जिंदगी में पेश आने वाली मुश्किलात, हादिसात और तकलीफात को हर किसी के सामने बयां ना करें और वो खुद ही अपनी इज्जत और खानदानी वकार और नामो नामूस की हिफाजत हर हालात के कड़वे से कड़वे घूंट को पीता रहता है और बर्दाश्त करता है, क्योंकि मुसिबत का एक-एक से अहवाल कहना मुसिबत से यह और ज्यादा मुसिबत बनता जाता है क्योंकि ग्रेवाल एहवाल सुनकर मजे लेते हैं और नमक मिर्च लगाकर बताते और साहब एहवाल को रुसवा करते हैं । जिससे उस आदमी का विकार मजरूह होता है और उसकी अना को ठेस पहुंचती है । इंसान अपनी आबरू व अना के लिए कभी सख्त और गलत कदम भी उठा लेता है और मौत को गले लगाने तक के लिए तैयार हो जाता है । लेकिन आबरू, विकार व अना को मजरूह नहीं होने देता । इन हालात को नरेश कुमार साद ने अपने एक शेर में इस तरह बयान किया है-

जिंदगी तेरी आबरू के लिए
मर रहे हैं बड़े विकार से हम ।

शेष अगले अंक में

हिंदुस्तान को मंगोलों के प्रकोप से बचाने वाला बादशाह

अलाउद्दीन खिलजी का नाम तो सबने सुना ही होगा। दिल्ली सल्तनत का वह बादशाह जिसे इतिहास में सिर्फ एक निर्दयी और बबेर बादशाह के रूप में याद किया जाता है। लेकिन अलाउद्दीन वही बादशाह है जिसने हिंदुस्तान को खतरनाक और क्रूर मंगोलों से एक नहीं, बल्कि कई बार बचाया। अगर खिलजी उस समय हिंदुस्तान को मंगोलो से न बचाता तो आज हिंदुस्तान का नक्शा कुछ और होता।

चलिए हम आपको बताते हैं अलाउद्दीन खिलजी और मंगोलों का रोचक इतिहास.........

मंगोलों को दुनिया के सबसे खतरनाक लड़ाकों में शुमार किया जाता था। उस समय माना जाता था कि मंगोलों को हराया नहीं सकता और कहा जाता था कि यह भगवान की तरफ से भेजा गया प्रकोप (Scovrge of god) है। मंगोल कितने खतरनाक थे इनका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वह जिंदा इंसान को पल भर में खा जाते थे। प्यास लगने पर घोड़े की नस काटकर खून पी लेते थे। उनकी गंध इतनी तेज थी कि 2 मील पहले लोग पहचान लेते थे कि मंगोलों का हमला होने वाला है। मंगोल जहां भी हमला करते उस जगह को पूरी तरह बर्बाद कर दिया करते थे। मंगोलों ने भारत पर 1297 से 1306 ई. तक लगातार कई बार भयानक हमले किए। उस समय हिंदुस्तान में दिल्ली की गद्दी पर अलाउद्दीन खिलजी बैठा था। खिलजी की वजह से ही कई कोशिशों के बाद भी मंगोल भारत पर कब्जा करने में नाकाम रहे। ये अलाउद्दीन खिलजी ही था जिसकी वजह से मंगोलों को एक या दो बार नहीं बल्कि 6 बार

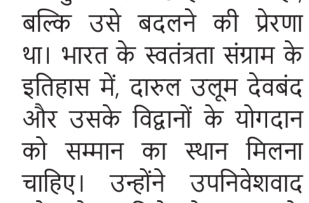

अपने कदम वापस खीचने पड़े। मंगोलों के अटैक से खिलजी बहुत क्रोधित हुआ और युद्ध के बाद उसने हजारों मंगोलों को बंदी बना लिया। इसके बाद उसने करीब 8000 मंगोलों का सिर दिल्ली में बन रहे 'सिरी फोर्ट' में चुनवा दिया था। इसलिए इस शहर का नाम 'सर' के नाम 'सिरी' रखा गया। ऐतिहासिक अभिलेखों से यह भी पता चलता है कि इसके बाद अलाउद्दीन ने मंगोलों पर कई क्रूर हमले किए, जिसके बाद कई वर्षों तक मंगोलों ने भारत पर आक्रमण करने की हिम्मत नहीं की।

-मोहम्मद जहीर

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 की निरीक्षण टीम यदि नाहरवाड़ा रामगंज क्षेत्र में आ गई तो क्या होगा?

-चीते वालों का खुर्रा, रामगंज बाजार से नाहरवाड़ा तक दो कचरा डिपो है

-वार्ड का स्वास्थ्य निरीक्षक और उपस्वास्थ्य निरीक्षक और कचरा उठाने वाले ठेकेदार में है सांठगांठ

-यही आस-पास गंदी नालियों से बीमारी फैल रही है

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जब से नगर निगम हेरिटेज आयुक्त डॉक्टर निधि पटेल की नियुक्ति हुई है सफाई व्यवस्था में सुधार हुआ है। बाजारों से अतिक्रमण कम हुए हैं। लेकिन व्यवस्था पूरी तरह अभी तक पटरी पर नहीं आई है। नगर निगम हेरीटेज जयपुर की सुचारू व्यवस्था सक्रिय करना इतना आसान नहीं है। अखबारों की न्यूज़ में पढ़ने में आसानी से मिल जाता है कि निगम आयुक्त ने आज यहां वहां दौरा किया और अधिकारियों को कार्यवाही के आदेश दिए। लेकिन इन दौरों का कितना प्रभाव हो रहा है, के लिए डॉक्टर पटेल को बिना बताए उन्हीं स्थानों का दौरा करना चाहिए। इसमें कोई दौराय नहीं है कि डॉक्टर निधि पटेल बहुत मेहनती और काबिल आईएएस अधिकारी है और हेरिटेज नगर निगम क्षेत्र को साफ, स्वच्छ बनाने के लिए दिन रात मेहनत कर रही है। लेकिन निचले स्तर पर भ्रष्ट तंत्र उनकी मेहनत को अप्रभावी बनाता जा रहा है। मुख्यमंत्री संपर्क पोर्टल पर शिकायत करने पर स्वास्थ्य निरीक्षक जोन कमिश्नर झूठी निस्तारण की सूचना भेजते हैं। शिकायत निस्तारण की जानकारी संपर्क पोर्टल से फोन पर ली जाती है, उसका फिजिकल सत्यापन नहीं होता है और शिकायत

बंद कर दी जाती है। यदि ऐसी शिकायतों का सत्यापन नगर निगम आयुक्त द्वारा किया जाता है तो वार्ड नंबर 65 के स्वास्थ्य निरीक्षक के कार्यों का किया जा सकता है जिसने शिकायत का कई बार झूठ निस्तारण की सूचना अधिकारियों को दी है।

200 मीटर में एक नहीं दो कचरा डिपों,सर्वेक्षण टीम ने देखा तो रैंक गिरना तय

वार्ड 65 के स्वास्थ्य निरीक्षक एवं उपस्वास्थ्य निरीक्षक की लापरवाही एवं अयोग्यता के चलते मात्र 200 मीटर की दूरी के बीच दो कचरा डिपो बन गए हैं। यह कचरा डिपो चीते वाला खुर्रा, रामगंज बाजार से नाहरवाड़ा के बीच में है। यहाँ आस-पास गंदी नालियां भरी पड़ी है जिनके कारण वातावरण में बदबू फैल रही है और बच्चों में इंफेक्शन फैल रहा है। पोर्टल पर कई बार शिकायत की गई लेकिन स्वास्थ्य निरीक्षक ने झूठी निस्तारण की सूचना देकर शिकायत बंद करदी गई। यदि जयपुर सर्वेक्षण टीम सर्वे करने के लिए चीते वाले रास्ते और नाहरवाड़ा तक एवं आस-पास गलियों में आ गई तो नगर निगम आयुक्त डॉक्टर निधि पटेल की मेहनत दरी रह जाएगी और जयपुर हेरीटेज नगर निगम की स्वच्छता रैंक गिरकर नीचे आ जाएगी। इसलिए नगर निगम आयुक्त को अपने अधिकारियों के साथ इस क्षेत्र का दौरा करना चाहिए। बाजारों और मुख्य मार्गो तक दौरा सीमित रखना और शहर के अन्दरूनी भागो को छोड़ देना सही नहीं माना जा रहा है। पूरे जयपुर में यही हो रहा है जहां सफाई एवं अतिक्रमण पर कार्यवाही बाजारों एवं मुख्य मार्गो को तक सीमित रह गई है।

ज़ुल्फ़िकार सचिव, यूनुस कुरैशी महासचिव और अब्दुल शफीक उपाध्यक्ष मनोनीत

-मुस्लिम वक्फ संपत्ति संरक्षण बोर्ड ने की नियुक्तियां

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । ऑल इंडिया मुस्लिम वक्फ संपत्ति संरक्षण बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहीस अहमद कुरैशी ने जुल्फ़िकार को जिला सचिव, यूनुस कुरैशी को प्रदेश महासचिव और अब्दुल शफीक को जिला उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है । जुल्फ़िकार (जिला सचिव), यूनुस कुरैशी (प्रदेश महासचिव) और अब्दुल शफीक (जिला उपाध्यक्ष) की नियुक्ति पर राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार मोईनुद्दीन नारू, राष्ट्रीय विधि सलाहकार अकबर अली, राष्ट्रीय महासचिव अब्दुल रईस, प्रदेश अध्यक्ष ज़फ़र मिर्ज़ा एवं प्रदेश महासचिव एडवोकेट मुजाहिद अख़्तर, प्रदेश संगठन मंत्री आफताब हिन्दस्तानी एवं ज़िला प्रभारी शाहनवाज़ (लाला) ने उनका स्वागत किया ।ऑल इंडिया मुस्लिम वक्फ संपत्ति संरक्षण बोर्ड

नामूसे रिसालत पर पहरा देने के साथ-साथ देश समाज और कौम की अनेकों प्रकार से लगातार सेवाएं कर रहा है । यह सरकार द्वारा रजिस्टर्ड बोर्ड है। बोर्ड के अनेकों उद्देश्य हैं। जगह-जगह बोर्ड की शाखाएं खोलने और सदस्य नियुक्त करने का भी बोर्ड का एक मुख्य उद्देश्य है । इसी मुख्य उद्देश्यों के तहत जुल्फ़िकार (जिला सचिव), यूनुस कुरैशी (प्रदेश महासचिव) और अब्दुल शफीक (जिला उपाध्यक्ष) की ख्वाहिशों का सम्मान करते हुए उनको बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया है। बोर्ड को उम्मीद है कि तीनों तन, मन, धन और अपना वक्त लगाकर इस्लामी शरीयत व भारतीय संविधान के अनुसार ही बोर्ड के उद्देश्यों के लिए काम करते हुए बोर्ड को मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी निभाएंगे।

वोट चोरी करना लोकतंत्र को कमजोर करना है - डॉ. मोहम्मद शोएब

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव डॉ. मोहम्मद शोएब ने कहा की भारत का लोकतंत्र जनता की भागीदारी और उसके मताधिकार पर आधारित है। लेकिन हाल के दिनों में जिस तरह के मामले सामने आए हैं, वे इस व्यवस्था की साख पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने संसद में खुलासा किया कि देश में योजनाबद्ध तरीके से वोट चोरी की जा रही है और चुनाव आयोग इस पर खामोश है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि बड़ी संख्या में ज़िंदा लोगों को मृत घोषित कर उनके नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया। जिन परिवारों के लोग सालों से मतदान करते आ रहे थे, अचानक उन्हें सूची से बाहर कर दिया गया। यह स्थिति केवल एक तकनीकी गलती नहीं बल्कि गंभीर लापरवाही या फिर किसी साज़िश का संकेत देती है। लोकतंत्र में वोट देना केवल एक अधिकार नहीं बल्कि हर नागरिक की पहचान और सम्मान है। अगर किसी के मताधिकार को इस तरह

छीना जाता है, तो यह सीधे-सीधे संविधान की भावना के विपरीत है। राहुल गांधी ने सही कहा कि चुनाव आयोग को निष्पक्ष रहकर जनता के विश्वास को कायम रखना चाहिए, लेकिन मौजूदा हालात में उसकी भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने इस मुद्दे को संसद और सड़कों दोनों पर मजबूती से उठाया है। हमारी माँग है कि जिन मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए गए हैं, उन्हें तुरंत बहाल किया जाए और इस पूरी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच हो। याद रखना होगा कि वोट सिर्फ़ एक पर्ची नहीं है, यह लोकतंत्र की आत्मा है। यदि जनता का विश्वास टूटेगा, तो लोकतंत्र भी खोखला हो जाएगा।

मंसूरी समाज कठेड़ा की सामूहिक गोठ व स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । मंसूरी समाज कठेड़ा जयपुर की सामूहिक गोठ व स्नेह मिलन प्रोग्राम सीकर रोड स्थित सनशाइन रिसोर्ट एवं वाटर पार्क में आयोजित हुआ । प्रोग्राम में मंसूरी समाज के लगभग 500 लोगों ने भाग लेकर गोठ का लुफ्त उठाया और इनामी प्रतियोगिता में शामिल होकर अपनी-अपनी किस्मत आजमाई । मंसूरी समाज के सलाहकार मंत्री हाजी गुलाम रसूल सांखला ने बताया कि प्रोग्राम में सम्मिलित सभी 12 साल से कम आयु वर्ग के बच्चों को समाज के सदर हाजी अब्दुल अजीज मंसूरी मानसरोवर और पूर्व नायब सदर लाडयाजी सांखला पुरानी बस्ती वालों ने पुरूस्कार देकर सम्मानित

किया । समाज के 36 लोगों को इनामी ड्रॉ प्रतियोगिता में चयनित कर पारितोषिक किया गया। मंसूरी समाज के इस प्रोग्राम के सफल आयोजन के लिए आयोजनकर्ता हनीफ गौरी झोटवाड़ा, हनीफ सांखला छोटी चौपड़ और हाजी महबूब मानसरोवर सभी ने भूरी-भूरी प्रसंशा की और कौम की एकता और खुशहाली के लिए ऐसे प्रेरणादायक प्रोग्राम आयोजित किए जाने का स्वागत किया। अंत में सभी आगंतुकों ने स्वादिष्ट दाल बाटी चूरमा का आनंद लिया।

महिला सशक्तिकरण को आयाम देती है जयपुर की बेटी तहरीन खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । ईदगाह निवासी तहरीन खानम ने प्राथमिक शिक्षा सैयद पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल, वन विहार जयपुर से 12वीं करने के बाद इस्लाम को जानने के लिए अल जामिया तुल आलिया स्कूल से आलिमियत की और राजस्थान विश्वविद्यालय से एम.ए. किया। तहरीन कागज या घर का फालतू सामान से कला और शिल्प तैयार करती हैं। यह हुनर उन्हें अपनी माँ से मिला है। उनकी बड़ी बहन भी यही कार्य करती हैं। गूगल पर तहरीन खान का नाम लिखते ही उनकी पूरी जानकारी उपलब्ध हो जाती है। हाल ही में जयपुर के अजमेर रोड स्थित होटल Foxoso Fiori

में आयोजित कार्यक्रम में भारत के टॉप 50 स्कूल डायरेक्टर्स और 100 शिक्षकों को सम्मानित किया गया, जिसमें तहरीन खान को भी सम्मानित किया गया। तहरीन खान सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव हैं, उनके यूट्यूब पर 8 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

ओएसिस यूनानी क्लिनिक का उद्घाटन

-राजस्थान हाईकोर्ट बार काउंसिल के चेयरमैन एवं एडिशनल एडवोकेट जनरल भुवनेश शर्मा ने किया क्लिनिक का उद्घाटन

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर के शास्त्री नगर क्षेत्र के रामनगर में एक और यूनानी क्लिनिक का शुभारंभ किया गया है । इस यूनानी क्लिनिक को "ओएसिस यूनानी क्लिनिक" के नाम से चलाया जाएगा । ओएसिस यूनानी क्लिनिक का उद्घाटन रविवार 24 अगस्त 2025 को समारोह के विशेष अतिथि राजस्थान हाईकोर्ट बार काउंसिल के चेयरमैन एवं एडिशनल एडवोकेट जनरल भुवनेश शर्मा, समारोह के मुख्य अतिथि रिटायर्ड मेडिकल ऑफिसर (यूनानी) डॉ. फरहान मंसूरी, सम्माननीय अतिथि राजस्थान वक्फ़ ट्रिब्यूनल जयपुर के सदस्य एडवोकेट शमीम अहमद कुरैशी के हाथों किया गया । ओएसिस यूनानी क्लिनिक पर ऐसे मरीजों का इलाज किया जाएगा, जो यूनानी पैथी में इलाज करवाना पसंद करते हैं। ओएसिस यूनानी क्लिनिक का संचालन डॉ.

तंजील खान एवं डॉ. सारा खान द्वारा किया जाएगा । दोनों ने ही यूनानी पैथी में डॉक्टर की डिग्री ली है । सबसे बड़ी बात यह है कि इन्होंने ओएसिस यूनानी क्लिनिक पर विशुद्ध रूप से यूनानी पैथी में इलाज करने का निश्चय किया है । वर्तमान में बड़ी संख्या में लोग यूनानी और आयुर्वेद पैथी में इलाज करवाना पसंद करते हैं । सभी जानते हैं कि यूनानी पैथी के इलाज के कोई साइड इफेक्ट्स नहीं होते हैं। यूनानी पैथी में इलाज से बीमारी भी जड़ से खत्म हो जाती है । इस अवसर पर एडवोकेट इकबाल खान, गुलाम मुर्तुजा, एडवोकेट मुनाजिर इस्लाम, ताज मोहम्मद, सैयद मासूम अली एडवोकेट वसीम खान और हितेंद्र सिंह सहित कई लोग शामिल हुए इस मौके पर उपस्थित लोगों ने उम्मीद जताई कि यह क्लिनिक यूनानी चिकित्सा पद्धति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और जयपुर वासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा।

एडवोकेट नईमुद्दीन अकील को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का जयपुर शहर का सचिव चुना गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जयपुर का ज़िला सम्मेलन 24 अगस्त को स्वामी कुमारानन्द भवन, जयपुर में कॉमरेड विनोद राय, संजीव कुमार एवं जौहरी लाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में कॉमरेड रमेश शर्मा को जयपुर ग्रामीण और एडवोकेट नईमुद्दीन अकील को जयपुर शहर का सचिव चुना गया। सम्मेलन में पार्टी का झंडारोहण कॉमरेड प्रेमजी और सुनीता चतुर्वेदी ने किया और पार्टी के संघर्ष और गौरवशाली इतिहास को बताया। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए पार्टी के राज्य सचिव कॉमरेड नरेन्द्र आचार्य ने केन्द्र व राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ लामबध होने के लिए कहा। आचार्य ने कहा कि वर्तमान में संविधान, लोकतंत्र और देश की एकता के समक्ष गंभीर चुनौतियाँ हैं, जिनको लेकर इंडिया गठबंधन संघर्ष कर रहा है। आचार्य ने पार्टी के स्थापना के 100 साल पूरे होने पर उसके गौरवशाली इतिहास को बताते हुए संगठनात्मक स्वरूप को सुद्दढ़ करते हुए पार्टी के राजनीतिक हस्तक्षेप बढ़ाने के लिए कहा।

पार्टी का राज्य सम्मेलन 15-16 सितंबर 2025 को उदयपुर में होने जा रहा है और राष्ट्रीय महा अधिवेशन 21 से 25 सितम्बर 2025 को चण्डीगढ़ में होने जा रहा है । सम्मेलन का संचालन करते हुए कुणाल रावत ने गत तीन वर्षों की गतिविधियों की रिपोर्ट पेश की। सम्मेलन को कॉमरेड सुनीता चतुर्वेदी, कॉमरेड रमेश शर्मा, मीनाक्षी बिन्दौरिया आदि ने संबोधित किया। सम्मेलन में कई प्रस्ताव पारित किए गए जिनमें श्रम क़ानूनों में बदलाव का विरोध, महंगाई, बेरोज़गारी, एमएसपी क़ानून बनाने, निजीकरण, शिक्षा के साम्प्रदायिकता के खिलाफ आदि सम्मेलन का संचालन करते हुए कुणाल रावत ने गत तीन वर्षों की गतिविधियों की रिपोर्ट पेश की। सम्मेलन को कॉमरेड सुनीता चतुर्वेदी. कॉमरेड रमेश शर्मा, मीनाक्षी बिन्दौरिया आदि ने संबोधित किया। सम्मेलन में भाकपा के पूर्व महासचिव सांसद कॉमरेड सुधाकर रेड्डी, किसान सभा के पूर्व महासचिव का अतुल कुमार अंजान, कामरेड अच्युतानंदन, माकपा के पूर्व राज्य सचिव सीताराम येचुरी, भाकपा के राज्य सचिव रहे रतिराम यादव को श्रद्धांजलि दी गई। सम्मेलन में 43 सदस्यीय कॉन्सिल का चयन किया गया।

"मैं भी गांधी" कार्यक्रम आयोजित

-महात्मा गांधी भी अधिवक्ता,हम उन्हीं के शिष्य

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। महात्मा गांधी स्वदेश फाउंडेशन की ओर से "मैं भी गांधी" कार्यक्रम का भव्य आयोजन शास्त्री नगर स्थित सुभाष नगर शॉपिंग सेंटर सामुदायिक केन्द्र में किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जयपुर के अधिवक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बापू महात्मा गांधी के स्वदेशी विचारों, आत्मनिर्भरता और सांप्रदायिक सौहार्द के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाना रहा। वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने देश की आज़ादी के लिए जो अमूल्य योगदान दिया, उसे कोई भारतीय भुला नहीं सकता। आज भी ज़रूरत है कि हम गांधीजी के आदर्श उसूलों और अहिंसा के मार्ग पर चलकर नवभारत का निर्माण करें। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, विधायक रफीक खान, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, कांग्रेस जिला अध्यक्ष आर आर तिवारी, कांग्रेस नेता सुनील शर्मा, विवेक बंसल सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए और गांधी विचारधारा को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

1500वां जश्न-ए-मिलादुन्नबी का रामगंज चौपड़ पर आलमी मिलाद कांफ्रेंस का हुआ आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर की रामगंज चौपड़ पर 1500वां जश्न-ए-मिलादुन्नबी का आलमी मिलाद कांफ्रेंस का आयोजन हुआ, जिसमें हज़ारों अक़ीदतमंदों ने शिरकत की । हज़रत मुहम्मद साहब की जीवनी से लोगों को अवगत कराया गया । मुफ्ती-ए-शहर जयपुर मुफ्ती अब्दुस्सत्तार रजवी की सरपस्ती व सुन्नी दावते इस्लामी के संरक्षक मौलाना सैय्यद मुहम्मद कादरी के निगरानी में 1447 हिजरी का कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। जिसमें शहर के औलामा, जिम्मेदार हजरात एवं वरिष्ठजन मौजूद रहे। इस दौरान विभिन्न वक्ताओं ने हजरत मुहम्मद सल्ललाहु अलैहि वसल्लम की जीवनी के बारे में बताते हुए उनके बताए सन्मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इसी के साथ जश्न-ए-मिलादुन्नबी के जुलूस में आने वाले लोगों को आवश्यक

दिशा-निर्देश दिए।। जिसमें मुख्य वक्ता मालेगांव (महाराष्ट्र) के सैय्यद अमीन उल कादरी साहब ने 1500 वाँ मिलाद अपने अपने घरों मे हरे झंडों के साथ एक पौधा ज़रूर लगा कर मनाएं। साथ ही अन्य कई इस्लामी स्कॉलर ने कांफ्रेंस को संबोधित किया । कार्यक्रम संयोजक मौलाना सैय्यद मुहम्मद क़ादरी ने बताया कि जुलूस में नबी दुरूदो सलाम नातो मनक़बत पढ़ते हुए चलना, दुआ के साथ इख़्तेताम पज़ीर हुआ है । इसी प्रकार 30 अगस्त को वाहिद मेमोरियल वेलफेयर एंड रिलीफ सोसायटी की ओर से बड़ी चौपड़ पर कुल हिंद नातिया मुशायरा होगा। जिसमें देशभर से विख्यात शायर आएंगे।

4 सितंबर को मिलाद चौक लुहारों का खुर्रा पर पूरी रात मिलाद का कार्यक्रम होगा, 5 सितंबर को जुमा की नमाज़ के बाद जुलूस घाट गेट से रवाना होकर चार दरवाज़ा होते हुए कर्बला तक जाएगा।

जयपुर में कैटरिंग उद्योग का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक आयोजन

-आठवां कैटरर्स एक्सपो 2025 आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एंटरटेनमेंट पैराडाइस ईस्ट लॉन, जवाहर सर्किल में भव्य अंदाज़ में आठवां कैटरर्स उद्योग का सबसे बड़ा और इतिहासिक आयोजन शुरू हुआ। मंच पर सजे राजस्थान की राजनीति के दिग्गज – कैबिनेट मंत्री झाबर सिंह खर्रा और जोगाराम पटेल, हवामहल विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य, ग्रेटर नगर निगम महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, कांग्रेस विधायक रफीक़ खान और आमीन कागज़ी, साथ ही भाजपा नेता रवि नय्यर और पूर्व सांसद रामचरण बोहरा मौजूद थे। खास बात यह रही की यहाँ – जयपुर के नामचीन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी आयोजन में मौजूद रहे। जयपुर केटर्स समिति अध्यक्ष मनोज सेवानी ने बताया – "ये एक्सपो

राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे देश में कैटरिंग और होटल मैनेजमेंट का सबसे बड़ा मंच है।" यहाँ यह प्रदर्शित किया गया कि – आधुनिक किचन इक्विपमेंट,लेटेस्ट कैटरिंग टेक्नॉलॉजी,और छोटे-बड़े व्यवसायिक उपकरण,यह आयोजन उद्योग से जुड़े कारोबारियों को देगा नए व्यापारिक अवसर, नेटवर्किंग का शानदार प्लेटफॉर्म और राजस्थान को बनाएगा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कैटरिंग इंडस्ट्री का हब। जयपुर से शुरू हुआ यह भव्य कैटरर्स एक्सपो, उद्योग की प्रगति को देगा नई दिशा... और पेशेवर क्षमता व नवाचार को करेगा पूरे देश के सामने प्रदर्शित।

राजस्थान पुलिस द्वारा आयोजित "सशक्त नारी - जिम्मेदारी हमारी" कार्यक्रम

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । पुलिस प्रशासन द्वारा आयोजित "सशक्त नारी - जिम्मेदारी हमारी" कार्यक्रम के तहत खटीक समाज के सामुदायिक भवन में सैंकड़ों महिलाओं के बीच थाना रामगंज के सीओ ने अपनी बात रखी । पुलिस की इन्द्रा ने ऐप को लेकर जानकारी दी। वहाँ के पार्षद ने भी अपनी बात रखी, निशात हुसैन ने महिलाओं को खुद का उदाहरण देकर बताया कि मैं मुस्लिम महिला होते हुए सारी रिवायत तोड़ कर अपनी ताकत को पहचान कर आज यहाँ आपसे बात कर रही हूँ

। जहाआरा ने बताया कि संस्था द्वारा ट्रेनिंग की जाती है, हम ट्रेनिंग देने को तैयार हैं । पुलिस के इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी बहनों ने इसकी प्रशंसा की।

नगर निगम ग्रेटर ने 29 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)।नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में सोमवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर कार्यवाही करते हुये एम.डी.रोड, इण्डिया गेट, महावीर कॉलोनी डी, हनुमान मंदिर वार्ड 104, वी.टी. रोड, सैंट्रल पार्क के सामने, केशवपुरा अजमेर रोड, स्वर्णपथ मानसरोवर, मारूति विहार बिंन्दायका, आम्रपाली रोड, करणी प्लैस आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 29 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 5 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर कार्यवाही करते हुये एम.डी.रोड, इण्डिया गेट, महावीर कॉलोनी डी, हनुमान मंदिर वार्ड 104, वी.टी. रोड, सैंट्रल पार्क के सामने, केशवपुरा अजमेर रोड, स्वर्णपथ मानसरोवर, मारूति विहार बिंन्दायका, आम्रपाली रोड, करणी प्लैस आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

Scan Here

चौमूं श्री कृष्ण महिला छात्रावास परिसर में बी पी मण्डल की 107 वीं जयंती मनाई गई

- एक संगोष्ठी कभी आयोजन हुआ , सबसे पहले प्रथम बी पी मंडल साहब को माल्यार्पण किया

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के जयपुर रोड दोलशा बाबा की दरगाह के पास श्री कृष्ण महिला छात्रावास परिसर में बी पी मंडल की 107 वी जयंती मनाई गई। तथा जयपुर जिला देहांत यादव महासभा के अध्यक्ष डॉक्टर जगदीश प्रसाद खातोदिया व चौमूं तहसील यादव समाज के अध्यक्ष सुभाष डागर के नेतृत्व में पूर्व संध्या पर श्री कृष्ण महिला छात्रावास चौमूं में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम बी पी मंडल सहाब को माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात उपस्थित वक्ताओं ने बीपी मंडल साहब की जीवनी के साथ ही मंडल कमीशन के इतिहास और उसके लागू करने की इतिहास पर प्रकाश डाला वक्ताओं ने मण्डल मशीहा के रूप में स्वं शरद यादव, स्वं मुलायम सिंह यादव, स्वं वी पी सिंह, लालू प्रसाद यादव, राम विलास पासवान, मान्यवर कांशीरामजी के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला संगोष्ठी गया। इस अवसर पर में जयपुर जिला देहात यादव महासभा के उपाध्यक्ष बंशीधर मंडल, महामंत्री शंकर कलालिया तहसील अध्यक्ष सुभाष डागर, उपाध्यक्ष मालीराम मैनेजर, रामकिशोर यादव, जगदीश टुंडक, निवाना राजेंद्र डागर, मानगढ कैलाश मांड्या, चौमू मांगीलाल यादव, एडवोकेट भीवा राम खातोदिया, छात्रावास वार्डन एवं छात्रावास की छात्राएं आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मांगीलाल की ओर से छात्राओं को फलाहार वितरण किया गया।

बारां में नि:शुल्क हृदय रोग शिविर, 162 मरीजों को मिला परामर्श

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। स्व. श्री ओमप्रकाश व्यास मानव सेवार्थ समिति, बारां (चैरिटेबल) एवं प्रिया हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को निःशुल्क हृदय रोग परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का शुभारंभ वरिष्ठजन शिखरचंद जैन, हरिमोहन गोयल, माँ आशापाल क्षत्रिय फाउंडेशन के पदाधिकारियों एवं हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. हितेंद्र सिंह राजावत के आतिथ्य में पूजा-अर्चना से हुआ।

शिविर में सुबह से ही मरीजों की भीड़ रही। पहले दिन 118 मरीजों को परामर्श मिला, भीड़ को देखते हुए डॉक्टर राजावत ने उदारतापूर्वक दूसरे दिन भी समय दिया। डॉ राजावत ने कहा कि मरीजो की बड़ी संख्या देखकर खुशी हुई की लोग स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे है ऐसे शिविर निश्चित रूप से समाज मे स्वास्थ्य सुधार का बड़ा कदम है। दो दिनों में कुल 162 मरीजों का परामर्श एवं 97 मरीजों की निःशुल्क जांच की गई।

मरीजों को ईसीजी, टीएमटी, 2डी ईको, ब्लड प्रेशर व शुगर जांच जैसी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। झालावाड़, छबड़ा, अंता, अटरू, रामगढ़ व मांगरोल सहित आसपास से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। बाहर से आने वाले मरीजों हेतु निःशुल्क भोजन व्यवस्था भी की गई। आयोजन में प्रमोद शर्मा, हरिमोहन गोयल, वीरेंद्र शर्मा, पीयूष उपाध्याय, दीपेश गर्ग, दीपक सेन, नितिन शर्मा, आशीष सांखला, अंशुल व्यास, शशांक शर्मा, हेमन्त कुशवाह, कपिल प्रजापति, पलक नागर, प्रिया रेगर, जया नामा, वत्सल उपाध्याय एवं प्रिया हॉस्पिटल प्रशासन का विशेष सहयोग रहा।

इस्लामिक प्रतियोगिता में कोटा के अजहर ने बाजी मारी

कोटा (रॉयल पत्रिका)। शहर के वक़्फ़ नगर स्थित दारुल उलूम गोसिया रजविया के होनहार छात्र अजहर अली निजामी ने भीलवाड़ा मे आयोजित प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान प्राप्त किया आल राजस्थान ग्रांड इस्लामिक क्विज एन्ड कॉम्पटीशन प्रतियोगिता का आयोजन भीलवाड़ा मे शहर काजी मुफ़्ती अशरफ जिलानी साहब की अध्यक्षता मे हुआ जिसमे राजस्थान के प्रमुख मदरसों के होनहार छात्रों ने भाग लिया था। उल्लेखनीय है की होनहार छात्र अजहर अली निजामी भीलवाड़ा के पुर मोहल्ले का निवासी है अजहर की इस उपलब्धि पर दारुल उलूम के मुफ़्ती यामिन निजामी, अख्तर हुसैन कुरैशी, अब्दुल सलाम, अलीम भाई, हनीफ भाई, हशमत भाई, वाहिद कुरैशी, पार्षद सोनू अब्बासी, सहित कमेटी के मेंबरान ने खुशी का इजहार किया, साथ ही ईदमीलादुन्नबी का चाँद दिखाई देने पर झंडा फहराने की रस्म अदा की गयी इस मोके पर देशभर मे भाईचारा वह खुश हाली के लिए दुआ की गयी।a

ब्राह्मण को विकट परिस्थितियों में भी धर्म के मार्ग पर चलकर अपने संस्कार को बनाएं रखना चाहिए- संत श्री निवृतीनाथ

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती ग्राम घन्टेल मे नवनिर्मित सिंवाल भवन का लोकार्पण प्रवणाश्रम गनेड़ी धाम के संत श्री निवृतिनाथ कृष्णा जी महाराज के सानिध्य में समारोह पूर्वक हुआ। समारोह में विशिष्ट अतिथि पूर्व सभापति विजय शर्मा व सरपंच प्रतिनिधि नवल सिंह राठौड जगदीश प्रसाद, महावीर प्रसाद श्री कान्त सिंवाल, बीरबल शास्त्री, मुरलीधर शर्मा थे इस अवसर पर संत श्री नाथ जी महाराज ने लोकार्पण समारोह को सम्बोधित करते हुए उपस्थित जनों से सनातन धर्म की महीमा और ब्राह्मण कर्तव्यों पर प्रकाश डालते हुये कहा कि ब्राह्मण को हर परिस्थिति मे धर्म के मार्ग पर चलकर सनातन परंपरा और संस्कार को बनाये रखना चाहिए उन्होंने कहा कि ब्राह्मण का कर्तव्य है कि वह अपने ज्ञान से सर्व समाज को जाग्रत करें और ख़ुद सुसंस्कारित जीवन यापन करे। उन्होंने समारोह में उपस्थित जनों से नशे और कुरीतियों से दूर रहकर सबके हित की रक्षा करने का आह्वान किया।इस अवसर पर पूर्व सभापति विजय शर्मा ने सिंवाल परिवार के द्वारा बनाये गए इस भवन को जनहित मे सराहनीय कदम बताते हुवे ब्राह्मण समाज का एक और नवाचार बताया । नव निर्मित सिंवाल भवन मे दिए गए योगदान के लिए रवि शर्मा ,लिनेश व निल ने अपने विचार प्रकट कर सभी के सहयोग की सराहना की। इस अवसर पर सिंवाल परिवार से जगदीश शर्मा, डेडराज शर्मा, नेमीचंद शर्मा, दलीप शर्मा, पवन शर्मा भंवरलाल, हेमन्त शर्मा सहित ग्रामीणों ने आयोजकीय भूमिका निभाई। संचालन सांवरमल शास्त्री व बिजेन्द्र भाटी ने किया।

श्री त्रिनेत्र गणेश लक्खी मेला-2025 की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

-त्रिनेत्र गणेश मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता- जिला कलक्टर काना राम

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर काना राम ने सोमवार को प्रातः श्री त्रिनेत्र गणेश मेला-2025 के सफल आयोजन हेतु गणेशधाम से जोगी महल तक सम्पूर्ण मेला मार्ग का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला कलक्टर ने कहा कि श्री त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग को जिला प्रशासन के निरंतर प्रयासों से श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया है। भारी बारिश के कारण मार्ग के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए थे, जिन्हें सोमवार सुबह त्वरित मरम्मत कर श्रद्धालुओं के पैदल आवागमन हेतु सुचारू बना दिया गया है।

जिला कलक्टर ने बताया कि तीन दिवसीय त्रिनेत्र गणेश मेला 26 से 28 अगस्त तक आयोजित होगा। सोमवार को आने वाले श्रद्धालुओं को शाम 4 बजे तक मंदिर मार्ग से प्रवेश दिया गया। मंगलवार से तीन दिन तक मेले का आयोजन

कलक्टर की अपील :- जिला कलक्टर काना राम से अपील की है कि श्रद्धालु समूह बनाकर श्री त्रिनेत्र के दर्शन हेतु जाए, जंगल में अकेले कहीं भी न रुकें। जंगली जानवरों की संभावना को ध्यान में रखते हुए सतर्कता बरतें। जलभराव या बहाव वाले मार्ग से गुजरने का प्रयास न करें। उन्होंने बताया कि परिक्रमा मार्ग केवल 27 अगस्त (गणेश चतुर्थी) को दिन

जिला कलक्टर ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी से अनुशासन बनाए रखने और प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया, ताकि त्रिनेत्र गणेश मेला सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सफल बनाया जा सके।

राजकीय अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय चूरू में समाजसेवी द्वारा मिक्सी भेंट

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। चूरू जिला मुख्यालय पर राजकीय अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय (बालक) चूरू में विद्यार्थियों की सुविधा हेतु मिक्सी मशीन भेंट की गई। यह भेंट अमजद खान पुत्र मोहम्मद रफ़ीक़ दिलावरखानी, उप निरीक्षक, जयपुर कमिश्नरेट, राजस्थान पुलिस, निवासी चूरू द्वारा प्रदान की गई।प्रधानाचार्य नियाज मोहम्मद ने बताया कि मिक्सी मशीन से छात्रावास में रहने वाले बच्चों को भोजन व्यवस्था में सुविधा मिलेगी तथा समय की बचत होगी। इस अवसर पर अमजद खान ने कहा कि वे आगे भी विद्यालय एवं विद्यार्थियों की आवश्यकताओं हेतु हरसंभव सहयोग करते रहेंगे। विद्यालय परिवार व विद्यार्थियों ने उनके इस सहयोग की सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस प्रेरक कार्य में वार्डन जुबेर खान गांगियासर का सहयोग एवं प्रोत्साहन उल्लेखनीय रहा। अमजद खान ने समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस दौरान विद्यालय स्टाफ इमरान बी खान, सिकंदर बी खान, मोहम्मद रफीक, जावेद खान, तबस्सुम, नीलम, कंप्यूटर ऑपरेटर इमरान खान, शारीरिक शिक्षक निरंजन कुमार आदि उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के चुरू आवास पर जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं की बैठक हुई बैठक में बोलते हुए जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन मजबूत है हमारे पास मजबूत नेतृत्व और मजबूत कार्यकर्ता है हम सब कार्यकर्ता मिलकर आने वाले पंचायत चुनाव और स्थानीय निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी विजय हो इसके लिए प्रयास कर रहे हैं हमारे वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता बूथ स्तर तक जाकर आम जनता से जुड़ रहे हैं एवं उन्हें डबल इंजन सरकार की विकास कार्यों की जानकारी दे रहे हैं। इस अवसर पर जिला महामंत्री अभिषेक चोटिया, मंडल अध्यक्ष धर्मेन्द्र राकसिया सुरेश सारस्वत, नेता प्रतिपक्ष विमला गढ़वाल, भाजयुमो जिला अध्यक्ष मदन गोपाल बालाण,मंडल महामंत्री कपिल चंदेल, मंडल महामंत्री कमल सैनी, मंडल महामंत्री प्रकाश नायक, मंडल महामंत्री श्री राम पिपलवा, हनुमान माटोलिया, श्रीराम सैनी, मोहनलाल गढ़वाल, चन्द्र प्रकाश शर्मा, आकाश सैनी,अजय तंवर, अशोक तंवर,किरण दर्जी, सुभाष प्रजापत,अंतर सिंह, गजानंद गौड़, किशन किरोडीवाल, मुकेश प्रजापत, कैलाश शर्मा,ओम सिंह, ओमप्रकाश इन्दोरिया, असलम डायर, गोगराज सैनी,दाऊद थीम, जुगल पांडे, सुरेन्द्र बावलीया,निरंजन सैन, गणेश सैनी, शौभा चौधरी, शौकत गौरी, सलीम गौरी, मुंशी चायल,गोपाल शर्मा, देव प्रकाश राजपुरोहित, सुभाष महर्षि, फरियाद खान, मूलचंद, लख्मीचंद प्रजापत, नंदू मोजासिया, नरेंद्र गुर्जर, बंशी पंवार, जयपाल टकणेत, नितिन हटवाल, नितिन बुंदेला, रजत शर्मा, नरेश तंवर, श्रवण सैनी, महबूब सिरोहा, पुरूषोत्तम पटवारी, विनोद सैनी, जगदीश चंदेल, निरंजन स्वामी, लालचंद सैनी, पवन सैनी,बाबु इस्माईल सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजस्थान में चीफ वर्कर्स कमेटियों के लिए राष्ट्रीय समिति की बैठक में गंभीर चिंतन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। पीपल्स ग्रीन पार्टी की राष्ट्रीय समिति की बैठक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुधांशु की अध्यक्षता में संपन्न हुई। राजस्थान के राष्ट्रीय प्रभारी भंवरलाल नायक एवं राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सैनी को विशेष रूप से राष्ट्रीय समिति की इस बैठक में आमंत्रित किया गया। राजस्थान में पीपल्स ग्रीन पार्टी को ग्राम पंचायत/वार्ड स्तर पर विस्तार देने के लिए राष्ट्रीय समिति के द्वारा स्वीकृत सात संभाग प्रभारियों, पचास लोकसभा प्रमुखों, दो सौ विधानसभा प्रभारियों और चार हजार विधानसभा प्रभारियों की सूची नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सैनी को सौंपी जानी है। संभाग प्रभारियों की सूची बैठक में ही सौंप दी गई है। भौम सिंह परिहार पश्चिमी राजस्थान जोधपुर लोकसभा, पाली लोकसभा, बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा क्षेत्र, नागौर लोकसभा, भूरी सिंह दक्षिणी राजस्थान बांसवाड़ा लोकसभा, उदयपुर लोकसभा, जालोर लोकसभा, डॉ. जय प्रकाश भादू उत्तरी राजस्थान श्रीगंगानगर लोकसभा, बीकानेर लोकसभा, चूरू लोकसभा, संजय सिंह उत्तर पूर्व राजस्थान सीकर लोकसभा, झुनझुनू लोकसभा, जयपुर ग्रामीण लोकसभा, रिखब चंद जैन मध्य राजस्थान : भीलवाड़ा लोकसभा, अजमेर लोकसभा, राजसमंद लोकसभा व चित्तौड़गढ़ लोकसभा, शशि कटारा

पूर्वी राजस्थानभरतपुर लोकसभा, दौसा लोकसभा, अलवर लोकसभा, धौलपुर-करौली लोकसभा, राजेश प्रजापति दक्षिणी पूर्व राजस्थान झालावाड़ लोकसभा, कोटा लोकसभा, टोंक- सवाई माधोपुर लोकसभा, डॉ. तन्मय राजधानी जयपुर संसदीय क्षेत्र। प्रदेश अध्यक्ष इस सूची में वर्णित राजस्थान की वृहद कार्यकारिणी के सहयोग से ग्राम व वार्ड कमेटियों के गठन को अंजाम देने के लिए प्रेरित करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुधांशु ने राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष को संभाग प्रभारी से लेकर विधानसभा सह प्रभारियों तक की क्षमता का परीक्षण करते हुए समीक्षात्मक प्रस्ताव राजस्थान के राष्ट्रीय प्रभारी भंवरलाल नायक को आवश्यक बदलाव के लिए प्रस्तुत करने के लिए कहा।नायक के अनुमोदन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष बदलाव को स्वीकृति प्रदान करेंगे। राजस्थान के प्रदेश प्रवक्ता राजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि राष्ट्रीय महासचिव डॉ. तन्मय ने क्रम के अन्तर्गत 4257 प्रभारियों त्रिकोणीय स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पार्टी के नियमानुसार पीपल्स ग्रीन पार्टी में प्रवेश के पश्चात किसी के भी सम्मान में कमी नहीं रहेगी। राष्ट्रीय समिति के विशेषाधिकार के तहत यह निर्णय लिया गया है। राष्ट्रीय समिति के अन्य महासचिव गण एडवोकेट कपिल और इंजीनियर गौरव ने राजस्थान में पार्टी को देश की प्रथम लोकतांत्रिक तरीके से गठित होने वाली पार्टी बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। बैठक भंवरलाल नायक के द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ संपन्न हुई।

सर्व ब्राह्मण सम्मान समारोह को दिया अंतिम रूप

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात की बैठक महासभा कार्यालय में प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा एवं जिला कोषाध्यक्ष गजानंद शर्मा ने बताया कि बैठक में महासभा के तत्वावधान में 31 अगस्त 2025 को उदयपुरिया- हरमाड़ा, में आयोजित होने वाले सर्व ब्राह्मण समाज प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया एवं पदाधिकारीयों को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई, कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं भव्यतम बनाने के लिए विभिन्न उप समितियों का गठन किया गया कार्यक्रम संयोजक बनवारी लाल शर्मा एवं सुभाष तिवारी ने बताया कि सम्मान समारोह में कक्षा 10 एवं 12 में 75 प्रतिशत या अधिक स्नातक स्नातकोत्तर में 70% या अधिक राजकीय सेवा में चयनित एवं समाज की खेल प्रतिभाओं का अभिनंदन किया जाएगा। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष मुकेश मेहता, जिला सचिव राजेश मिश्रा, प्रभु दयाल शर्मा, एस के खांडल, महेंद्र शर्मा, राजेश शर्मा आदि पदाधिकारीयों ने कार्यक्रम को व्यवस्थित बनाने के लिए अपने विचार रखें ।

यूडीओ दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव बनने पर डॉ. शमशाद का मौलाना आज़ाद मानव सेवा संस्थान ने किया इस्तकबाल

बारां (रॉयल पत्रिका)। मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान के अध्यक्ष शेख बहादुर के नेतृत्व में इरफान अंसारी, अब्दुल वहीद मुन्ना मास्टर, शाहिद इकबाल भाटी और मोहम्मद हुसैन फाइन आदि ने राजकीय महाविद्यालय बारां में असि. प्रोफेसर डॉ. शमशाद अली को प्रशस्ति पत्र पेश करते हुए शॉल और माला पहनाकर अभिनंदन किया ओर कहा कि उर्दू भाषा के विकास मे ये नियुक्ति मील का पत्थर साबित होगी। प्राचार्य प्रोफेसर भगवान सिंह मीणा ने शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर सचिव बनना राजकीय महाविद्यालय बारां के लिए गर्व का विषय है। विदित हो कि हाल ही में उर्दू डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन दिल्ली ने डॉ. शमशाद अली की उर्दू के क्षेत्र मे विशेष व उल्लेखनीय उपलब्धियों को देखते हुए उन्हें ऑर्गेनाइजेशन का राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया था। इस अवसर पर प्रोफेसर मुनेश चंद्र शर्मा, प्रोफेसर दीपक कुमार, डॉ. रामकेश मीणा, डॉ. खुशबू नीयरता, प्रोफेसर विवेक कुमार नागर, प्रोफेसर रामकुमार मीणा, प्रोफेसर संकेत कुमार, डॉ. शमशाद अली, प्रो सांवरा राम, प्रो चंदनमल मेघवाल, प्रो शुभांगी जैन, प्रो. हंसराज कुमावत, प्रो. सेहल जैन, प्रो. विजयपाल सिंह राठौड़, प्रो. नवीन नावरिया, प्रो. विश्वनाथ सिंह गुर्जर, डॉ. लीनता अरोड़ा, सीताराम बेरवा, रवींद्र कुमार बादल, डॉ. हिमानी भाटिया, डॉ. रमन गुप्ता, केदार प्रसाद मीणा, मनीष शर्मा, गौरव मीना, दौलत राम आदि उपस्थित रहे।

सम्मान समारोह से लक्ष्य प्राप्ति की प्रेरणा मिलती है- वृतिका शर्मा

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात के तत्वावधान में 31 अगस्त 2025 को उदयपुरिया 'हरमाड़ा में आयोजित होने वाले सर्व ब्राह्मण समाज प्रतिभा सम्मान समारोह के पोस्टर का विमोचन सचिव अनाज मंडी चोमू वर्तिका शर्मा ने किया, इस अवसर पर वर्तिका शर्मा ने कहा कि सम्मान समारोह विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य को प्राप्त करने एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रेरणा देता है ऐसे आयोजनों में हम सबको बढ़-चढ़कर भागीदारी करनी चाहिए, इस अवसर पर जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सोहनलाल पारीक, सुभाष तिवारी, जिला कोषाध्यक्ष गजानंद शर्मा, जिला उपाध्यक्ष मुकेश मेहता, जिला सचिव प्रभुदयाल शर्मा, राजेश मिश्रा, सुरेंद्र शर्मा सहित महासभा पदाधिकारी सदस्य उपस्थित रहे।

भोजन के पैकेटों का हो रहा है नियमित वितरण

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। बारिश से प्रभावित आमजन को नगर परिषद की ओर से नियमित रूप से भोजन पानी एवं आवास की व्यवस्था की जा रही है। नगर परिषद सवाई माधोपुर आयुक्त नरसी मीणा ने बताया कि कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना एवं जिला कलेक्टर के निर्देशन में प्रभावित व्यक्तियों हेतु नगर परिषद द्वारा भोजन, पानी व आवास की व्यवस्था नियमित रूप से की जा रही है। अत्यधिक प्रभावित क्षेत्र खटीक मौहल्ला, कुम्हार मौहल्ला, अंसारी मौहल्ला, रैगर मौहल्ला इत्यादि क्षेत्र में समस्त व्यवस्थाऐं सुचारू रूप से की जा रही है। प्रभावित क्षेत्र में श्री अन्नपूर्णा रसोईयों से एवं नगर परिषद द्वारा संचालित भोजन शाला के माध्यम से लगभग 2000-2000 भोजन के पैकेट वितरित किये जा रहे है।

इसके अतिरिक्त सफाई कर्मियों द्वारा प्रभावित क्षेत्र में नियमित रूप से सफाई कार्य किया जा रहा है तथा पानी के टैंकरो के माध्यम से प्रभावित क्षेत्र में पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्र में भोजन पानी एवं आवास की व्यवस्था आगामी दिनों में भी सुचारू रूप से की जावेगी। साथ ही आमजन से अपील है कि परिषद के टोल फ्री नम्बर किसी भी समस्या हेतु नगर 07462-220515 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

अल्पसंख्यक समुदाय की दो युवतियों का फिमेल हेल्थ वर्कर पद पर चयन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अल्पसंख्यक समाज की दो यूवतियों का फीमेल हेल्थ वर्कर पद पर चयन हुआ परिजनो ने पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ एवम् विधायक हरलाल सहारण का आभार जताया आथुणा मौहल्ला निवासी मुस्कान पुत्री निसार खांन एवम् दिपलाणा निवासी रूकसार बानो पुत्री यासीन खां का चयन क्रमशः शहरी प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र वार्ड नं. 08 एवम् शहरी प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र वार्ड नं. 04 बीकानेर में फिमेल हेल्थ वर्कर पद पर चयन हुआ है। इस अवसर पर दोनो अल्पसंख्यक समुदाय की युवतियों का चयन होने पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला सहप्रभारी असगर अली जोईया एवम् पूर्व पीएमओ डॉ. एफ एच गौरी ने युवतियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिन्नदन किया। इस अवसर पर विधायक आवास पर विधायक हरलाल सहारण द्वारा भी दोनो युवतियों को शुभकामनाऐं दी गई। इस अवसर पर असगर अली जोईया ने पूर्व प्रतिपक्ष नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ व विधायक हरलाल सहारण का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जोईया ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के लिए भाजपा शासन में कई कार्य हुऐ है जिससे इस समुदाय के लोगो में भाजपा के प्रति विश्वास बढ़ रहा है। इस अवसर पर अयूब खांन गौड़, निसार खांन सर्वा, सलीम खांन सर्वा, रमजान खान जोईया, असलम खान जोइया, शाहरूख जोईया, सफी खां चायल, युनूस जोईया, युनूस खां पहाड़ियान, युनुस खां सर्वा, मुंशी खां चायल, युसुफ खां चौहान, युसुफ खां नारू, सिराज खां जोईया, सतार खां चायल, सलीम सर्वा, सतार सर्वा, नबाब खां मलवाण, मकसूद खां सर्वा, असलम खानं नारू आदि उपस्थित रहे।

"इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी की वार्षिक बैठक संपन्न"

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जयपुर रोड स्थित जामिया अरबिया इस्लामिया मदरसा दारुल उलूम में इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी की वार्षिक आम बैठक का आयोजन, हाजी याकूब थीम की अध्यक्षता में किया सामयिक मुद्दों पर चर्चा और विचार विमर्श किया गया। सोसाइटी के अध्यक्ष शौकत अली खान झारिया ने कहा कि सोसाइटी मेंबर्स की दिलचस्पी और सक्रियता से वे अभिभूत हैं। डॉ. मुमताज़ अली कुरैशी ने अपने उद्बोधन में, शिक्षा और स्वास्थ्य के महत्व पर रोशनी डाली। इस से पहले वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद अयूब रि. एडिशनल एसपी ने संगठन के उद्देश्यों और आगामी कार्य योजना के बारे में, विस्तार से जानकारी दी। संगठन के जनरल सेक्रेटरी एवं पूर्व पीएमओ डॉ. एफ एच गोरी ने अपने उद्बोधन में, भारत की गंगा जमुनी संस्कृति के खूबसूरत संगम को बरकरार रखने और सामाजिक भाई चारे के लिए काम करने की जरूरत बताई। इस के अलावा डॉ गौरी ने जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा की भावनाओं के मद्देनजर, जिले को हरा भरा (पौधारोपण) बनाने, " जल है, तो कल है" , "महिला शिक्षा एवं स्वास्थ्य" के मूल मंत्र के साथ साथ समाज में आपसी भाइचारे का पैगाम दिया। संगठन द्वारा डॉ. एफ एच गोरी के आव्हान का पूर्ण समर्थन किया गया। जिला प्रशासन द्वारा, हाल ही में सम्मानित समाज सेवी उस्मान अंसारी के अलावा, आरिफ खान प्रिन्सिपल, आवेश कुरैशी, आबिद भलीम एडवोकेट, ग्रेविटी संस्थान के निदेशक ख़ुर्शीद गौरी, भँवर खान पूर्व डी ओ, मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान द्वारा भी, बेश क़ीमती सुझाव पेश किए गए। अध्यक्षता कर रहे हाजी याक़ूब थीम ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में काम करते रहें और हर हाल में सक्रिय रहें। कोई दिक्कत आए तो बुजुर्गों को (हमें) बताएँ। जिला प्रशासन से बेहतर तालमेल के लिए भी उन्होंने संगठन पदाधिकारियों खासकर डॉक्टर गोरी और अयूब खान की तारीफ की और आगे बढ़ने का आव्हान किया। मीटिंग अपने ऐजेंडे के मुताबिक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। अंत में प्रिन्सिपल आरिफ खान ने सभी का आभार व्यक्त किया, नए जुड़े मेंबर्स का स्वागत किया और शानदार इन्तेजाम और खाने की लजीज दावत के लिए हाजी याक़ूब थीम का शुक्रिया अदा किया गया। मीटिंग में संस्था द्वारा किए गए सम्मान समारोह पर चर्चा की गई। और शानदार समारोह के लिए संस्था अध्यक्ष शौकत अली खान झारिया पूर्व एडिशनल कमिश्नर ने सभी को साधुवाद दिया। इस अवसर पर मोहम्मद रशिद खान मोयल, शौकत अली टाक बि ओ बी,आमिर अंसारी, समीर खान, वसीम अली भाटी, मोहम्मद आरिफ खान, आबिद खान लायन, अनीश खान, मोहम्मद सदीक खान, नजीर खान रि. प्रिंसिपल, हैदर अली खान, आरिफ खान एबीएस, कैप्टन जसवंत खान, हबीब डायर, अयूब खान गोड, आसिफ खान एईएन रियाज खान एईएन, सोहेल खान, हाजी जाफर हुसैन, अलाउद्दीन, आदिल कुरेशी आदि उपस्थित रहे। मुफ्ती इरशाद कासमी ने दुआ की।

3 सितंबर को तकरीर का प्रोग्राम एवं पोस्टर विमोचन किया

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मेहरुनिशा एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी के सचिव हाजी मोहम्मद अली कादरी ने बताया कि 1500 साला ईद मिलादुन्नबी के मौके पर तकरीर के प्रोग्राम होगा। तकरीर को लेकर मीरा कॉलोनी में पोस्टर विमोचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मौलाना मोहम्मद इदरीश रजा कादरी और मौलाना साजिद हुसैन रिजवी होंगे जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर तकरीर का प्रोग्राम 3 सितंबर बुधवार बाद नमाजे ईशा मीरा कॉलोनी में आयोजित होगा कार्यक्रम की तैयारी को लेकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। पोस्टर विमोचन के मौके पर मौलाना हाशिम रजा मिस्बाही, साजिद खान जोधाणा, हाजी अमीन बुंदू भाई, हकीकत अली काजी, फिरोज भाई अब्बासी, जफर इब्राहिम केके, अलादीन कायमखानी, फिरोज लोहार, मुस्लिम कादरी, मोहम्मद इस्लाम, मोहम्मद शफी, अफजल अब्बासी, शाकीर अब्बासी, आसीम, वसीम मेवाफरोश, आबिद मेवाफरोश, हाजी अहमद बख्श, अब्दुल मुत्तलिब, नदीम लोहार, सद्दाम अब्बासी, इरफान अब्बासी, रईस अहमद सहित कई युवा और बुजुर्ग उपस्थित रहे।

जुलूस की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित जुलूस में ढोल, बैंड, बाजे जानवरों, वाहनों व झांकियों पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध

-नशे के विरोध में चलाई जाएगी मुहिम- साजिद खान

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मोहम्मद सद्दीक राजू ओर नसीम अली ने बताया कि जुलूस की तैयारी को लेकर सय्यद मोहियूद्दीन अशरफ की सरपरस्ती में जालोरी गेट ईदगाह परिसर में मीटिंग का आयोजन किया गया। मौलाना हाफिज जावेद और इरफान कुरैशी ने बताया कि जुलूस हजरत अब्दुल लतीफ शाह रहमतुल्लाह अलेही की दरगाह से मुफ्ती शेर मोहम्मद खान साहब रिजवी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। साजिद खान ने बताया कि ओलमाए अहले सुन्नत की मान्यता के अनुसार पूर्ण सादगी, अदबो, एहतराम और अकीदत से जुलूस निकाला जाएगा व निरंतर 12 दिन तक नशे के विरुद्ध पोस्टर व बैनर द्वारा लोगों को जागरूक करने का काम किया जाएगा जिसकी पूर्ण तैयारी कर ली गई है। आसिफ नुरी व शाहरुख नुरी ने बताया कि मीटिंग के दौरान मोहम्मद फारूक, मोहम्मद साजिद, मौलाना अंजार, मौलाना हुसैन अशरफी, मौलाना जाकिर, मुफ्ती बशीर नक्शबंदी, मौलाना रफीक, हाफिज आसकर, पीर जावेद मिनाई, मास्टर हसनैन अशरफी, मौलाना अब्दुल माजीद, नसीम अली, मोहम्मद जावेद, एडवोकेट अब्दुल खालिद, मोहम्मद सलीम मुन्ना, मोहम्मद सदीक राजू, मोहम्मद इरफान कुरैशी, मोहम्मद कायम, उमर सामरिया, मोहसिन अत्तारी, आसिफ नूरी, हेदर नुरी, हेदर अली, नासिर हुसैन, मोहम्मद शाहरुख, इमरान कुरेशी, जुल्फिकार अली, नूर मोहम्मद इफ्तिकार अहमद, सिराजुद्दीन, नफीस अहमद, वाजिद उस्ताद, आजाद सहित ओलमाए अहले सुन्नत, जोधपुर के तमाम बुद्धिजीवी, विद्वान और तमाम आशिकाने रसूल जोधपुर आदि उपस्थित रहे।

यह निर्णय लिए-

तंजीम अइम्मा-ए-अहले सुन्नत एवं आशिकाने रसूल कमेटी के तमाम जिम्मेदारों ने प्रस्ताव पारित करते हुए कहा कि 2023 - 2024 मैं निकाले गए जुलूस की तरह होगा इस बार भी जुलूस में टू व्हीलर, फोर व्हीलर, बैंड बाजे, ढोल ताशे, झांकियों नाबालिग बच्चे और महिलाओं पर जुलूस में पूर्ण प्रतिबंध रखा है और जुलूस सुबह के समय पर जल्दी निकल जाएगा ताकि सभी जुम्मे की नमाज अदा होकर सके।

'संडेज ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जय यादव आईपीएस पुलिस अधीक्षक जिला चूरू ने बताया कि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली के फिट इंडिया मिशन के तहत देश भर की राज्य पुलिस के सहयोग से 'संडेज ऑन साइकिल' अभियान का एक विशेष संस्करण प्रारम्भ किया गया है। इस अभियान के तहत चूरू जिला पुलिस द्वारा 24 अगस्त 2025, रविवार को योगाचार्य आकाश सिघंल द्वारा योग एवं ताईची सेशन का आयोजन किया गया जिसमें सतपाल सिंह आरपीएस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक त्वरित अनुसंधान सैल चूरू, सुनिल कुमार आरपीएस वृताधिकारी वृत चूरू, विजय मीणा पुलिस उप अधीक्षक साइबर थाना, मुकुट बिहारी पुलिस निरीक्षक साइबर थाना, सतवीर मीणा पुलिस निरीक्षक संचित निरीक्षक पुलिस लाईन, रामकरण सिद्ध थानाधिकारी रतननगर, जयप्रकाश झाझडिया यातायात प्रभारी, हंसराज गुर्जर थानाधिकारी दुधवाखारा आदि पुलिस कर्मचारी व अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी, सीएलजी सदस्य, ग्राम रक्षक, स्कूल व कॉलेज के बच्चे और आमजन लगभग 250-300 प्रतिभागियों ने भाग लिया, योग एवं ताईची सेशन के पश्चात रोप स्किपिंग व साईकलिंग का आयोजन किया गया, साईकिलिंग में 100 से अधिक व्यक्तियों ने भाग लिया जो पुलिस लाईन चूरू से प्रारम्भ होकर कस्बा चूरू में लगभाग 09 किलोमीटर की दुरी बारीश में भीगते हुए लोगों ने उत्साहपूर्वक पुरी की, साईकिलिंग में चूरू से लेह लद्धाख तक 57 दिन में साईकल यात्रा करने वाले साईक्लिस्ट ललित जांगिड भी शामिल हुए। साईकिलिंग के पश्चात बच्चों को चॉकलेट बांटी गयी।

जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गाजसर के पास तारानगर तिराहे पर सड़क हादसे का मॉक ड्रिल

-जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, एसपी जय यादव सहित आवश्यक सेवाओं के अधिकारी पहुंचें मौके पर

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गांव गाजसर के पास स्थित तारानगर तिराहे पर भीषण सड़क हादसे की मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। कंट्रोल रूम से सड़क हादसे में काफी लोगों के हताहत होने की सूचना मिलने पर जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, एसपी जय यादव, एडीएम अर्पिता सोनी, एएसपी लोकेन्द्र दादरवाल सहित आवश्यक सेवाओं के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और व्यवस्थाओं को प्रबंधित किया। आवश्यक सेवाओं के अधिकारियों ने दुर्घटना में घायलों को अस्पताल पहुंचाने और चिकित्सकीय उपचार का अभ्यास किया। विभागों का हो समन्वय, त्वरित रिस्पॉन्स से हो बेहतरीन आपातकालीन प्रबंधन इस अवसर पर ज़िला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने मॉक ड्रिल के बाद मौके पर मौजूद अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि विभागों का मजबूत समन्वय रहे तथा इस प्रकार की आपात परिस्थितियों में सूचनाओं के आदान—प्रदान व त्वरित रिस्पॉन्स से बेहतरीन प्रबंधन करें। उन्होंने कहा कि आपदा के दौरान समय पर लिया गया निर्णय और आपसी समन्वय हमारी सबसे बड़ी पूंजी होती है। इस मॉक ड्रिल के माध्यम से हमने देखा कि विभाग किस प्रकार त्वरित और सटीक प्रतिक्रिया दे सकते हैं। यह अभ्यास न केवल हमारी तैयारियों की जांच करता है, बल्कि भविष्य की वास्तविक परिस्थितियों में जान-माल की रक्षा हेतु हमारी क्षमता को और सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने दायित्वों व आपात के दौरान अपेक्षित गतिविधियों के लिए तैयार रहें। उन्होंने मॉक ड्रिल के दौरान विभागीय गतिविधियों की जानकारी देते हुए निर्देश दिए कि मॉक ड्रिल के दौरान देखी गई कमियों का विश्लेषण कर सुधारात्मक कदम उठाएं ताकि भविष्य में और बेहतर प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक जय यादव ने कहा कि मॉकड्रिल का आयोजन करना आपात सेवाओं के रिस्पांस टाइम का परीक्षण करना था ताकि सेवाओं को और बेहतर किया जा सके। उन्होंने कहा कि सभी सेवाओं के अधिकारी समय पर मौके पर पहुंचे। उनके रिस्पांस का परीक्षण किया गया तथा की जाने वाली गतिविधियों का एनालिसिस किया गया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और पुलिस मिलकर इस प्रकार की परिस्थितियों के लिए मुस्तैदी से काम कर रही है। यादव ने कहा कि मॉक ड्रिल के दौरान विभागों के रिस्पॉन्स टाइम व आवश्यक तैयारियों के परीक्षण के बाद सेवाओं को बेहतर बनाने के प्रयास किए जाएंगे। मौके पर पहुंचे अधिकारी दुर्घटना की सूचना मिलने के साथ ही जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा एसपी जय यादव, एडीएम अर्पिता सोनी, एएसपी लोकेन्द्र दादरवाल, डीवाईएसपी सुनील झाझड़िया, एपीआरओ मनीष कुमार, चूरू एसडीएम बिजेंद्र सिंह, तहसीलदार अशोक गोरा, सीएमएचओ डॉ मनोज शर्मा, कोषाधिकारी प्रवीण सिंघल, एसजेईडी डीडी नगेंद्र सिंह राठौड़, एसीपी नरेश टुहानिया, सदर पुलिस थाना टीम, एंबुलेंस सेवाएं, आपदा प्रबंधन टीम आदि मौके पर पहुंचे और हताहतों को आवश्यक सहायता का अभ्यास किया।

सांचौर जिला बहाल करने की मांग को लेकर धरना 240 वें दिन भी जारी

-प्रतिदिन अलग-अलग ग्राम पंचायत के ग्रामीण धरने को दे रहे सर्मथन

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। जिला बचाओ संर्घष समिति की ओर से जिले की बहाली की मांग को लेकर दिया जा रहा है धरना प्रतिदिन अलग-अलग ग्राम पंचायत के ग्रामीणों द्वारा भारी संख्या में धरने में शामिल हो कर ज्ञापन सौंपा जा रहा है। धरनार्थियों द्वारा मुख्यमंत्री के नाम अतिरिक्त जिला कलक्टर को ज्ञापन सौप। अपना दुखड़ा बताया इससे ये जाहीर होता हैं कि जिला ग्रामीणों के लिए कितना महत्वपूर्ण है।

ज्ञापन में उल्लेख किया है कि सांचौर कि जिला मुख्यालय जालौर की दूरी 145 किलोमीटर है, वहीं अंतिम गांव की दूरी ढाई सौ किलोमीटर तक है। परिवहन सुविधा के अभाव में लोगों को जालौर तक पहुंचने में भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। ऐसे में राज्य सरकार को जल्द ही सांचौर जिला बहाल करने की घोषना करनी चाहिए, ताकि स्थानीय लोगों को राहत मिल सके। धरने में वक्ताओं ने कहा कि सांचौर जिला पूर्ण रूप से मानकों पर खरा उतरता था। सरकार द्वारा इसे निरस्त करना जनभावनाओं के साथ अन्याय है। पूर्व सरकार की और से किए गए निर्णयों को निरस्त करना बडी भूल है। यदि वर्तमान जन प्रतिनिधि सही ढंग से पैरवी करते तो सांचौर जिला कभी निरस्त नहीं होता। धरने में ग्रामीणों द्वारा प्रतिदिन अलग-अलग ग्राम पंचायतों से हजारों की संख्या में आम लोगों द्वारा धरने को समर्थन दिया जा रहा है। धरने को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री सुखराम विश्नोई, एडवोकेट भीमाचौधरी, एडवोकेट सदराम विश्नोई लादूसिंह किलवा, चंदन सिंह राजपुत विरोल, गुमानाराम कुराड़ा, रामावतार मांजू सहित कई वक्ताओं ने जिला बहाली की मांग करते हुए राज्य सरकार से अपना हक मांगा। इस मौके पर हजारों की संख्सा में ग्रामीण मौजूद रहे।

सांचौर में बारिश से एनएच 68 बदहाल, एलिवेटेड पुल की सर्विस रोड़ नहीं बनने से वाहन चालक परेशान

-व्यापारियों ने कई बार ज्ञापन दिया मगर कोई कार्रवाई नहीं

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। सांचौर शहर से गुजरने वाले नेशनल हाइवे 68 इन दिनों आसुबहा रहा है काई भी सुध लेने वाला नहीं बदहाल हाइवे गढ्ढ़ो से घिरा हुआ है। गढ्ढ़ो के कारण कई हादसे हो चुके है लेकिन प्रशासन बेखबर निर्माणधीन ऐलिवेटेड पुल के दोनों ओर सर्विस रोड़ पर पक्की सड़क का निर्माण अब तक नहीं हुआ है, बारिश के चलते यह रास्ता बड़े-बड़े गढ्दो में तब्दील हो चुका है, जिससे वाहनों का गुजरना बेहद ही मुश्किल हो चुका है। कई बार दिन में जाम लगा रहता है लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर को पार करने में करीब 3 किलोमीटर ऐलिवेटेड सर्विस लाइन को पार करने में आधे घण्टे से अधिक का समय लग जाता है। इस जाम में आपातकालीन सेवाएं जैसे एंबुलेंस व फायरब्रिगेड फंस जाती है वहीं स्कुली बच्चों को लेकर जाने वाली बसे भी घण्टों जाम में फसी रहती है। स्थानीय व्यापारीयों ने कई बार प्रशासन को ज्ञापन सौपकर समस्या बताई लेकिन प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई, और न ही निर्माण कम्पनी इस और ध्यान देकर समस्या का हल निकाल रही है। बारिश से टूटा नेशनल हाइवे जगह-जगह गढ्ढ़ो ने वाहन चालको की समस्याएं बढ़ा रखी है कई बार गढ्ढे के बचाने के चक्कर में हादसे का शिकार वाहन चालक हो जाता है। कमालपुरा, कारोला, धमाणा और डेडवा सरहद में तो हाइवे बदहाल हो चुका है। इससे हादसे की आशंका बनी रहती है। लेकिन विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नही उठाए जा रहे है। लोगों का कहना है कि हाइवे भी गांरटी पीरियड में है, इसके बावजूद संबंधित कम्पनी केवल औपचारिक पेचवर्क कर अपना पल्ला झाड़ रही है। विभागीय नियमों की खुल्ली धज्जिया उड़ रही है, लेकिन जिम्मेदार चुप्पी साधे हुए है। वाहन चालाक एवं व्यापारियों व शहर वासियों ने प्रशासन और विभाग से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत व सर्विस रोड़ निर्माण की मांग की है, ताकि आवागमन सुचारू हो सके और हादसों पर रोक लगाई जा सके।

"मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह" सम्पन्न

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। अजमेर में मुस्लिम वेलफेयर एजुकेशन समिति की ओर से जेएलएन मेडिकल कालेज के सभागार में सम्पन्न "मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह" में 80 प्रतिशत से अधिक अंक 10वीं, बारहवीं, स्नातक में लाने और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्तीर्ण करीब 430 प्रतिभागियों का सम्मान किया गया। इसी कड़ी में प्रतिभागियों में से चार प्रतिभागियों को लाटरी के जरिये ईनाम भी दिया गया । लाटरी का प्रथम पुरस्कार लक्जरी साईकिल नसीराबाद की प्रतिभागी बेटी खुशी मिर्जा बेटी वाजिद हुसैन, पलसानिया रोड नसीराबाद को भामाशाह सैय्यद रब नवाज जाफरी तारागढ़ अजमेर (वन विभाग) के हाथों से दिया गया ।

भारत का लोकतंत्र मजबूत, उसे कोई खतरा नहीं भ्रम फैलाने वाली ताकतों से लोग सतर्क रहें- देवनानी

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि भारत का लोकतंत्र मजबूत है। भारत के लोकतंत्र को किसी भी प्रकार का कोई खतरा नहीं है। भारत के संविधान की जड़े भी बहुत गहरी हैं। इसे कोई समाप्त नहीं कर सकता है। भारत के लोगों को एकजुट और एकमुखी होकर काम करना होगा ताकि विश्व को एकता का संदेश जाए। देवनानी ने कहा कि कुछ ताकतें जो भ्रम फैला रही हैं उनसे सभी को सतर्क रहना होगा। देवनानी ने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक यात्रा वेदों से लेकर संविधान तक फैली हुई है। यह यात्रा दर्शाती है कि भारत केवल आज का लोकतंत्र नहीं है बल्कि यह उसकी आत्मा में सदियों से बसी एक परंपरा है। देवनानी ने कहा कि भारत वास्तव में लोकतंत्र की जननी है। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष देवनानी रविवार को दिल्ली विधानसभा द्वारा आयोजित स्पीकर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। देवनानी ने कहा कि भारत विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है जिसकी लोकतांत्रिक परंपरा हजारों वर्ष पुरानी है। यह परंपरा वेदों उपनिषदों और इतिहास में अंकित है। देवनानी ने कहा कि जब विश्व के अन्य भागों में मानव समाज शिकार पर आश्रित था और लोग वृक्षों की छालों से अपने शरीर ढकते थे, उस प्राचीन काल में भारत का वैदिक साहित्य राजनीतिक क्षेत्र और शासन व्यवस्था की अत्यंत परिपक्व अवधारणा से समृद्ध हो चुका था। उन्होंने कहा कि भारत भूमि पर उस युग में ही गणराज्य, लोकतंत्र तथा राष्ट्र की अवधारणा ने केवल विकसित हो चुकी थी, अपितु उनका भू-सांस्कृतिक, भू राजनीतिक तथा सार्वभौम शासन से संबंधित गहन विमर्श भी प्राचीन ग्रंथो में संकलित हो चुका था। देवनानी ने कहा कि वर्तमान में भारत को विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश कहे जाने का आधार केवल इसकी जनसंख्या की विशालता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उसकी लोकतांत्रिक संरचना, परंपरा और व्यापक जनसंख्या में निहित है। उन्होंने कहा कि भारत में संविधान द्वारा स्थापित लोकतंत्र केवल एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं बल्कि एक जीवन्त सामाजिक अनुशासन है, जो विविधता में एकता, विचारों की स्वतंत्रता, सार्वभौमिक मताधिकार और न्याय प्रियता पर आधारित है।

जमात-ए-इस्लामी हिंद मांगरोल के पर्यावरण जागरूकता अभियान का समापन

मांगरोल (रॉयल पत्रिका) जमात-ए-इस्लामी हिन्द यूनिट मांगरोल की तरफ से 10 अगस्त से 25 अगस्त तक चलाए गए मीजान में खलल न डालो पर्यावरण जागरूकता अभियान का सोमवार को समापन हुआ। जमाअत इस्लामी के नगर अध्यक्ष आसिफ़ अंसार ने बताया कि इस अभियान में लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए अलग अलग तरह के प्रोग्राम किए गए। जिसमें पर्यावरण जागरूकता रैली, पौधा रोपण, पंपलेट वितरण, सामूहिक भाषण, प्रशासनिक व गणमान्य नागरिकों से मुलाकात, महिलाओं में अभियान के प्रति जागरूक करने के लिए प्रोग्राम व डोर टू डोर संपर्क के साथ साथ घरेलू वेस्ट चीजों से खाद बनाना शामिल है। इसके अलावा इस 15 दिन चले अभियान में सोशल मीडिया पर पर्यावरण जागरूकता हेतु पोस्टर भी शेयर किए गए।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/992844315

एटीवी राइड पर निकलीं मोनालिसा

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री मोनालिसा अक्सर अपनी सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए फैंस से जुड़ी रहती हैं। उनकी हर नई तस्वीर या वीडियो में उनका अलग और आकर्षक अंदाज देखने को मिलता है, जो लोगों का ध्यान तुरंत खींच लेता है। इस बार उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ नई और दिलचस्प पोस्ट्स शेयर की हैं, जिनमें उनका अनोखा लुक और मस्ती भरा अंदाज साफ नजर आ रहा है। मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए हैं, जिसमें फैंस को उनका बेहद अलग और मजेदार अंदाज देखने को मिला। वीडियो में वह येलो कलर की एक दमदार ऑल-टेरेन व्हीकल (एटीवी) चलाते हुए नजर आ रही हैं। उनके चेहरे पर जोश और मस्ती साफ झलक रही है, जिससे साफ पता चलता है कि वह इस एडवेंचर को कितना एन्जॉय कर रही हैं। उनके कपड़ों की बात करें तो उन्होंने ब्लैक कलर की स्लीवलेस ड्रेस पहन रखी है, जो उनके लुक को स्टाइलिश बना रही है। उनके चेहरे पर प्यारी मुस्कान साफ दिख रही है। ह्यकुछ अन्य तस्वीरों में भी वह ब्लैक ड्रेस में नजर आ रही हैं, जिसमें उन्होंने अपने बालों की दो चोटियां बनाई हुई हैं। साथ ही पिंक कलर की चप्पलें उनके कूल लुक को और भी निखार रही हैं। इस अनोखे लुक में मोनालिसा बेहद खूबसूरत लग रही हैं। पोस्ट के साथ मोनालिसा ने कैप्शन में लिखा है, क्या फन है!

एक्ट्रेस सुरभि चंदना का यूट्यूब चैनल हुआ हैक, गाने फर्जी की रिलीज टली

टीवी की मशहूर अदाकारा सुरभि चंदना इन दिनों अपने म्यूजिक प्रोजेक्ट फील गुड ओरिजनल्स को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में सुरभि ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि उनका आधिकारिक यूट्यूब और जीमेल अकाउंट हैक हो गया है। इस घटना ने न केवल टीम को बल्कि उनके फैंस को भी एक बड़ा झटका दिया है। इस हैकिंग की वजह से उनका नया गाना फर्जी अब तय समय पर रिलीज नहीं हो पाएगा। सुरभि ने अपने पोस्ट में लिखा कि उनका ट्रैक फर्जी पूरी तरह तैयार था और उसे अपने दर्शकों के साथ साझा करने की पूरी योजना थी। लेकिन जैसे ही अकाउंट हैक हुआ, उन्हें मजबूरन गाने की रिलीज को टालना पड़ा। उन्होंने बताया कि वो यूट्यूब इंडिया और गूगल इंडिया की मदद से अपने अकाउंट को वापस पाने की कोशिश कर रही हैं और उम्मीद है कि जल्द ही सब कुछ फिर से सामान्य हो जाएगा। अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, जिंदगी ने हमें बीती रात एक अनचाहा विराम दे दिया। हमारा फील गुड ओरिजनल्स का आधिकारिक अकाउंट जीमेल और यूट्यूब हैक हो गया और हमने इन तक अपनी पहुंच खो दी। हमारा नया गाना फर्जी आपके सामने पेश किया जाना था, लेकिन किस्मत ने अभी कुछ और ही सोच रखा है। सुरभि ने आगे कहा कि हर विराम एक मजबूत वापसी की तैयारी होती है। उनका मानना है कि कोई तूफान इतना ताकतवर नहीं होता कि संगीत को खामोश कर दे और कोई भी रुकावट इतनी बड़ी नहीं होती जो एक सपने को रोक सके। उन्होंने विश्वास जताया कि उनका गाना फर्जी जरूर रिलीज होगा और जब वह आएगा तो सिर्फ एक गाना नहीं बल्कि एक जज्बात, संघर्ष और उम्मीद का प्रतीक होगा।

निक्की तंबोली ने उषा नदकर्णी की टिप्पणियों पर दी सफाई

अभिनेत्री निक्की तंबोली ने उषा नदकर्णी की उस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उषा ने निक्की को घमंडी बोला था। निक्की ने स्पष्ट किया कि वह उषा का बहुत सम्मान करती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह उनकी हर बात से सहमत हों या उनकी चापलूसी करें। दरअसल, निक्की तंबोली ने उषा नदकर्णी के इंटरव्यू का एक वीडियो क्लिप अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर पोस्ट किया, जिसके कैप्शन में निक्की ने लिखा, मैं उषा जी का बहुत सम्मान करती हूं। लेकिन सिर्फ इसलिए कि आप सीनियर हैं और मैं जूनियर, इसका मतलब यह नहीं कि मैं आपकी हर बात मानूं या चापलूसी करूं। आप मुझे घमंडी कहकर आंक नहीं सकतीं। मुझे अपनी असलियत पता है और मेरे प्रशंसक भी इसे जानते हैं। आपके लिए मेरे सम्मान के अलावा, किसी और को मुझे जज करने का हक नहीं है। बता दें कि उषा नदकर्णी इंटरव्यू में यह कहती नजर आ रही थी कि निक्की ने उनसे कभी बातचीत शुरू नहीं की और वह मुझे हमेशा घमंडी नजर आईं। दोनों ने इस साल सेलिब्रिटी मास्टर शेफ के सेट पर साथ काम किया था। निक्की, जो रियलिटी शो बिग बॉस में फर्स्ट रनर-अप बनकर मशहूर हुई थीं, उन्होंने अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए एक वीडियो बनाया, जिसमें उन्होंने कहा, ऐसे मुश्किल शो में फर्स्ट रनर-अप बनना आसान नहीं था। मैंने अपनी असली शख्सियत के दम पर यह हासिल किया। मेरी फितरत में लोगों की चापलूसी करना नहीं है। मेरे प्रशंसक मुझे मेरे असली रूप के लिए प्यार करते हैं, और उनके साथ मेरा भावनात्मक रिश्ता मेरी असली ताकत है। वहीं, निक्की इन दिनों अपने बॉयफ्रेंड अरबाज पटेल के साथ अपनी लव लाइफ और घूमने-फिरने में व्यस्त हैं। दूसरी ओर, उषा नदकर्णी हाल ही में तब चर्चा में आईं, जब उन्होंने अंकिता लोखंडे के व्लॉग में बताया कि 80 साल की उम्र में उन्हें अकेले रहने का डर सताता है। पिछले साल जून में उनके छोटे भाई का निधन हो गया था, जिसके बाद से वह अकेलेपन के डर से जूझ रही हैं। उषा ने पवित्र रिश्ता में सविता के किरदार से दर्शकों का दिल जीता था और कई बॉलीवुड व मराठी प्रोजेक्ट्स में भी काम किया है।

मिस्ट्री प्रोजेक्ट अलर्ट

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने खचाखच भरे फिल्म सेट से दिया हिंट

अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट को लेकर बढ़ती चर्चाओं के बीच, मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने एक नई बीटीएस (बिहाइंड-द-सीन्स) झलक साझा कर फैंस को उत्साहित कर दिया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें एक विशाल प्रोडक्शन सेट दिखाई दे रहा है, जहां भारी लाइटिंग रिग्स, जटिल वेंटिलेशन सिस्टम और क्रू मेंबर्स की भीड़ मौजूद है, जो किसी बड़े प्रोजेक्ट की ओर इशारा कर रहा है। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा- यह एक हाउसफुल है जिससे यह साफ है कि यह एक मज़ेदार टीज़र है जो लोगों की जिज्ञासा को और बढ़ा रहा है। साल 2025 में मालिक और तेहरान जैसी फिल्मों में अलग-अलग किरदार निभाकर मानुषी ने दर्शकों का ध्यान खींचा और सराहना भी बटोरी। अब तक उन्होंने जो प्रोजेक्ट्स चुने हैं, वे अलग-अलग जॉनर में रहे हैं–ऐसे में उम्मीद की जा सकती है कि उनका अगला प्रोजेक्ट भी कुछ अनोखा होगा। क्या वह किसी हाई-कॉन्सेप्ट वेब सीरीज़ का हिस्सा हैं? या फिर किसी पीरियड ड्रामा में नज़र आने वाली हैं जिसमें एक बड़ा स्टारकास्ट हो? या शायद कोई हाई-एंड फैशन कमर्शियल जिसमें सिनेमा जैसा फील हो? बैकग्राउंड में नजर आने वाला विंटेज स्टाइल सेट और विशाल स्केल का प्रोडक्शन किसी म्यूज़िक वीडियो या इंटरनेशनल कोलैबरेशन की ओर भी इशारा कर सकता है। हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, इसलिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स और फैन फोरम्स पर चर्चाओं का दौर लगातार जारी है। चाहे यह फिल्म हो या किसी लग्ज़री ब्रांड का एंडोर्समेंट, एक बात तो तय है–मानुषी छिल्लर अपने फैंस को कयास लगाने पर मजबूर करना अच्छे से जानती हैं। जब तक इस रहस्यमयी प्रोजेक्ट से पर्दा नहीं उठता, तब तक सभी की नजरें उनके सोशल मीडिया और हर BTS हिंट पर टिकी रहेंगी।

टाइगर श्रॉफ की फिल्म

बागी 4 को लेकर सामने आई जानकारी

बॉलीवुड के सबसे चर्चित एक्शन फ्रेंचाइजी बागी की चौथी किस्त का इंतजार दर्शकों को लंबे समय से है। टाइगर श्रॉफ अपने दमदार स्टंट्स और हाई-ऑक्टेन एक्शन के लिए जाने जाते हैं। अब उनकी अपकमिंग फिल्म बागी 4 को लेकर जानकारी सामने आ रही है कि इसका ट्रेलर कब लॉन्च होगा और किस अंदाज में दर्शकों के सामने इसे पेश किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक बागी 4 का ट्रेलर 30 अगस्त 2025 को एक बड़े इवेंट में लॉन्च किया जाएगा।

खास बात यह है कि फिल्म की रिलीज डेट यानी 5 सितंबर 2025 से सिर्फ एक हफ्ते पहले यह ट्रेलर सामने आएगा। यानी ट्रेलर लॉन्च के साथ ही फिल्म की एडवांस बुकिंग भी शुरू कर दी जाएगी।

एक दिन पहले ही टाइगर श्रॉफ ने बागी 4 के लेटेस्ट गाने बहली सोहनी को इंस्टाग्राम पर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, जब धड़कन कम हो जाती है... और वाइब हिट हो जाता है.. यह अब केवल संगीत नहीं है - यह बहली सोहनी है।

बागी 4 के बारे में

पांच साल के ब्रेक के बाद बागी फ्रैंचाइजी अपनी चौथी किस्त लेकर आ रही है। इस बार फिल्म में भरपूर एक्शन देखने को मिलेगा। साजिद नाडियावाला की इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ के अलावा सोनम बाजवा, हरनाज संधू और संजय दत्त मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म का निर्देशन ए. हर्ष ने किया है। जबकि फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है। यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पॉडकास्ट करने वालों को करण जौहर ने क्यों लताड़ा

करण जौहर अक्सर ही अपनी फिल्मों और जिंदगी को लेकर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कई बातें साझा करते हैं। हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में उन्होंने एक बड़ी सी पोस्ट शेयर की। जिसमें पॉडकास्ट करने वाले लोगों को लेकर नाराजगी जाहिर की। करण जौहर ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'मैं मीडिया के भरोसेमंद, सम्मानित लोगों का बहुत सम्मान करता हूं। लेकिन पॉडकास्टर्स ऐसे मेहमानों को बुलाते हैं, जिनके पास खोने के लिए कुछ नहीं है। जिन्हें द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से कहीं नहीं बुलाया गया है। वे मेहमान जहर उगलते हैं और हमारी फिल्म इंडस्ट्री के मेहनती और दिग्गज लोगों के बारे में बेहद अपमानजनक बातें कहते हैं।' करण जौहर ने पोस्ट में आगे लिखा, 'यह सब बंद होना चाहिए। फिल्म इंडस्ट्री के लोगों की मौत के बारे में भी भयानक और डरावने खुलासे करने वाले मनोविज्ञानी और ज्योतिषी बहुत असंवेदनशील हैं। यह फ्रीडम ऑफ स्पीज है? क्या यह फॉलोअर्स के लिए क्लिकबेट नहीं है?' करण जौहर ने अपनी पोस्ट में किसी करण जौहर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पॉडकास्ट करने वालों को लताड़ रहे हैं।

रेजिना कैसेंड्रा ने द वाइव्स का पहला शेड्यूल पूरा किया

वेब सीरीज रॉकेट बॉयज और जाट फिल्म में दमदार किरदार निभाकर सुर्खियों में आने वाली अभिनेत्री रेजिना कैसेंड्रा ने अपनी अपकमिंग फिल्म द वाइव्स का पहला शेड्यूल खत्म कर लिया है।

रेजिना ने हाल ही में सोशल मीडिया पर पर्दे के पीछे की कुछ मजेदार तस्वीरें साझा कर इसकी जानकारी दी थी। तस्वीर में वह काले रंग के स्टाइलिश आउटफिट में नजर आईं, उनके हाथ में द वाइव्स लिखा क्लैपरबोर्ड था। रेजिना ने फिल्म की शूटिंग के बारे में आईएएनएस से बात करते हुए कहा, द वाइव्स के शेड्यूल को पूरा करना मेरे लिए एक रोलर-कोस्टर जैसा था। पिछले एक महीने से मैं हिंदी और तमिल के बीच संतुलन बना रही हूं। एक सफल शेड्यूल से दूसरे शेड्यूल की ओर बढ़ रही हूं। जहां बॉलीवुड में मैं मधुर भंडारकर के साथ द वाइव्स कर रही हूं, वहीं कोलिवुड (तमिल सिनेमा) में सुंदर. सी. के साथ मूकुथी अम्मन 2 की शूटिंग कर रही हूं। मुझे अलग-अलग दुनियाओं के बीच आना-जाना पसंद है। यही वो जिंदगी है जो मैंने अपने लिए चाही थी। मैं अपने सपने को जी रही हूं। बता दें, फिल्म द वाइव्स का निर्देशन मधुर भंडारकर कर रहे हैं। यह फिल्म बॉलीवुड स्टार्स की पत्नियों की चमकदार लेकिन उतार-चढ़ाव भरी जिंदगी को दिखाती है। फिल्म में दिखाया जाएगा कि इन स्टार वाइव्स की जिंदगी के पीछे क्या-क्या छुपे हुए सच, बड़े विवाद और उनकी शाही लाइफस्टाइल होती है।

साभार एजेंसी

जाह्नवी अपने प्रदर्शन में स्वाभाविकता लेकर आती हैं: सिद्धार्थ मल्होत्रा

जाह्नवी कपूर लगातार खुद को भारतीय सिनेमा की सबसे चमकदार और बहुमुखी प्रतिभाओं में से एक के रूप में स्थापित कर रही हैं। सिर्फ सात साल के करियर में उन्होंने विभिन्न शैलियों की फिल्मों में काम किया है, जिससे उन्हें दर्शकों का प्यार और समीक्षकों की सराहना दोनों मिली है। अब, वह एक बार फिर अपने बहुप्रतीक्षित रिलीज़ परम सुंदरी के साथ दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं, जो इस शुक्रवार सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मनमोहक ट्रेलर से लेकर म्यूज़िक तक, जाह्नवी ने पहले ही दर्शकों को अपनी दिलचस्प ट्रांसफ़ॉर्मेशन से प्रभावित कर दिया है, जिसमें वह पहली बार आधी तमिल और आधी मलयाली लड़की का किरदार निभा रही हैं।

गोविंदा-सुनीता के तलाक की खबर फिर निकली अफवाह, मैनेजर ने बताई सच्चाई

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता के तलाक की खबरें काफी दिनों से चर्चाओं में थीं। अब अभिनेता के मैनेजर ने भी इसे सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने बताया कि ये सब बस अफवाहें हैं। बता दें, एक समय सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा था कि अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता का तलाक होने वाला है। लेकिन अभिनेता के मैनेजर ने शनिवार को समाचार एजेंसी से बातचीत करते हुए इसे सिरे से खारिज करते हुए बताया कि भले ही कोर्ट में कुछ कागज जमा किए थे, लेकिन वह मामला पहले ही सुलझ गया था। अब गोविंदा और सुनीता के बीच सब कुछ ठीक है। उन्होंने कहा, तलाक से जुड़ी जो खबरें सामने आई हैं, वे पुरानी घटनाओं पर आधारित हैं और फिलहाल दंपत्ति के बीच सब कुछ ठीक है। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह वही 2024 वाला केस है जो सुनीता ने बांद्रा फैमिली कोर्ट में दाखिल किया था, तो उन्होंने पुष्टि करते हुए कहा कि हां, यह वही केस है, लेकिन अब मामला सुलझ चुका है। शशि ने आगे बताया, यह पुरानी बात है जो फिर से ताजा खबर की तरह फैल रही है। कोई नई बात नहीं हुई है। मुझे लगातार कॉल आ रही हैं, लेकिन सब ठीक है। कपल के बीच लगभग सब कुछ सुलझ गया है। चिंता की कोई बात नहीं है। हम जल्द ही आधिकारिक बयान भी जारी करेंगे। उन्होंने मीडिया में फैल रही गलत जानकारियों को लेकर नाराजगी जाहिर की और कहा, क्या आपने गोविंदा को इसके बारे में बोलते देखा है? फिल्म इंडस्ट्री और मीडिया में लोग गलतफहमी और भ्रामक जानकारी का फायदा उठाते हैं। कोई मूर्ख व्यक्ति इस विवाद से फायदा उठाना चाहता है। बता दें कि इस साल फरवरी में भी ऐसी खबरें सामने आई थीं कि सुनीता ने तलाक के लिए अर्जी दी है और कानूनी नोटिस भी भेजा है। वहीं, गोविंदा पिछले कुछ महीनों से मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। अक्टूबर में बंदूक की सफाई के दौरान उनके पैर में गोली लग गई थी।

चेतेश्वर पुजारा ने क्रिकेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज चेतेश्वर पुजारा ने रविवार (24 अगस्त) को क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। वह भारत की टेस्ट टीम से 26 महीने से बाहर थे। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2023 के बाद भारतीय टीम से बाहर हो गए थे। इसके बाद भी पुजारा का अचानक संन्यास लेने का फैसला हैरानी भरा है।

बीते सप्ताह खबर आई थी कि वह घरेलू क्रिकेट के आगामी सत्र के लिए सौराष्ट्र के लिए खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। पुजारा ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक नोट लिखकर क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया। इस पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, भारतीय जर्सी पहनना, राष्ट्रगान गाना और हर बार मैदान पर कदम रखते ही अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करना - इसका असली मतलब शब्दों में बयां करना नामुमकिन है। लेकिन जैसा कि कहा जाता है हर अच्छी चीज का अंत होता है और अपार कृतज्ञता के साथ मैंने भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का फैसला किया है।

चेतेश्वर पुजारा का आईपीएल करियर

चेतेश्वर पुजारा ने इंडियन प्रीमियर लीग में 4 टीमों किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व किया। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए उन्हें एक भी मैच खेलने को नहीं मिला। आईपीएल में पुजारा ने 30 मैच में 20.52 के औसत और 99.74 के स्ट्राइक रेट से 390 रन बनाए। इसमें 1 अर्धशतक शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया में भारत की पहली टेस्ट सीरीज जीत का हिस्सा रहे

पुजारा ने दिसंबर 2005 में सौराष्ट्र के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया और इस साल की शुरुआत में। पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में भी उसके लिए खेले। उन्होंने 2010 के अंत में बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और उनके खिलाफ 2018-19 और 2020-21 में ऐतिहासिक सीरीज जीत का हिस्सा रहे। वह 2018-19 में चार टेस्ट मैचों की सीरीज में 521 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। यह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर भारत की पहली टेस्ट सीरीज जीत थी।

चेतेश्वर पुजारा का करियर

37 वर्षीय पुजारा ने 2010 में डेब्यू के बाद भारत के लिए 103 टेस्ट और 5 वनडे मैच खेले। उन्होंने 43.60 की औसत से 19 शतकों और 35 अर्धशतकों सहित 7,195 टेस्ट रन बनाए। उनका सर्वोच्च 205 रन था। एक दशक से भी ज्यादा समय तक, वह भारत के सबसे भरोसेमंद नंबर 3 बल्लेबाज रहे। भारत और विदेशी में टीम की कुछ सबसे बड़ी टेस्ट जीत में अहम भूमिका निभाई।

पुजारा टेस्ट में भारत के लिए 8वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उन्होंने 21301 रन बनाए हैं।

मुंबई मेरी मां है, MC के शरद पवार म्यूजियम के बाहर अपनी प्रतिमा देख भावुक हुए सुनील गावस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर की प्रतिमा का अनावरण करके उन्हें सम्मानित किया। इसके अलावा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और एमसीए अध्यक्ष शरद पवार की नवनिर्मित प्रतिमा भी प्रदर्शित की। एसोसिएशन ने शनिवार (23 अगस्त) को इस अनुभवी प्रशासक के नाम पर एक संग्रहालय का भी उद्घाटन किया। संग्रहालय के बाहर अपनी प्रतिमा देखकर गावस्कर भावुक हो गए।

गावस्कर ने कहा, आप जानते हैं, ऐसा हर किसी के साथ नहीं होता कि आपको पता हो कि संग्रहालय के ठीक बाहर एक मूर्ति है, जहां संग्रहालय देखने के लिए बहुत से लोग आते हैं। और इसलिए हर बार जब आप संग्रहालय में प्रवेश करते हैं तो मूर्ति को देखते हैं। यह एक अनोखी बात है और इसलिए मैं अभिभूत हूं। मैंने पहले भी कहा है कि मुंबई मेरी मां की तरह है। उसने मेरा हाथ थामा है जब मैंने स्कूल स्तर पर क्रिकेट खेलना शुरू किया था। मुंबई के लिए खेल रहा था।

कद बराबर मूर्तियां बनाने का फैसला

एमसीए ने इस साल की शुरुआत में अपने संग्रहालय के साथ-साथ कद बराबर मूर्तियां बनाने का फैसला किया था। इसने अपनी पुरानी कांगा लीग लाइब्रेरी को भी पुनर्जीवित किया है। नया संग्रहालय अतीत और वर्तमान के क्रिकेट को समर्पित है और एमसीए ने इसमें एक छोटा सा बेस्ट और ट्रेन सेक्शन बनाकर लोकल फ्लेवर भी जोड़ा है, जो हर मुंबईकर के संघर्ष को दर्शाता है।

रिंकू सिंह ने किया खुलासा, टी20 विश्व कप में न चुने पर शाहरुख खान ने बढ़ाया था हौसला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज रिंकू सिंह ने एक शानदार किस्सा साझा किया कि कैसे कोलकाता नाइट राइडर्स के सह-मालिक और बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने उनके मुश्किल समय में उनका हौसला बढ़ाया। रिंकू IPL 2022 से KKR की टीम का अहम हिस्सा हैं। 2023 में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ यश दयाल की गेंद पर लगातार 5 छक्के जड़कर रिंकू घर-घर में मशहूर हो गए और आखिरकार भारतीय टीम में जगह बना ली। हालांकि मध्यक्रम के इस बल्लेबाज को उस समय निराशा का सामना करना पड़ा जब उन्हें 2024 में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया।

रिंकू, जिन्हें मुख्य टीम से बाहर कर दिया गया था और रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल किया गया था, ने खुलासा किया कि वह अपनी वीजा औपचारिकताओं के लिए शाहरुख के साथ गए थे। रिंकू ने कहा, तो यही वो समय था जब मुझे मुख्य टीम में नहीं चुना गया था, मैं स्टैंडबाय

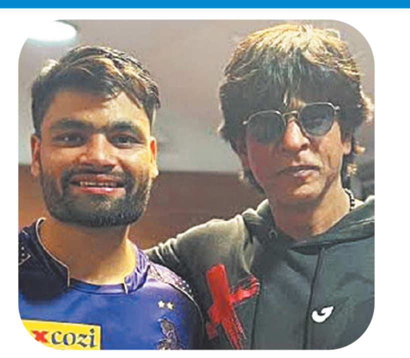

लिस्ट में था। टीम पहले ही रवाना हो चुकी थी, और मुझे वीजा की औपचारिकताओं के लिए जाना था। सर (शाहरुख खान की ओर इशारा करते हुए) को भी अगले दिन जाना था। मेरी फ्लाइट पहले ही बुक हो चुकी थी, और मैं अकेले ही जाने वाला था। उन्होंने आगे कहा, किसी तरह, सर या पूजा मैम को पता चल गया और उन्होंने कहा कि मुझे सर के साथ यात्रा करनी चाहिए, मैं पूरी तरह से घबरा गया था जैसे, मैं सर के साथ अकेले यात्रा करने जा रहा हूं? मैं खुद को कैसे संभालूंगा? मैं क्या कहूंगा? मैंने कई बार मना करने की कोशिश की।

रिंकू ने बताया कि यह पहली बार था जब वह किसी चार्टर फ्लाइट में बैठे थे और कैसे चचक्रके मालिक ने उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। रिंकू ने कहा, लेकिन एक बार सर ने कह दिया, तो मैं कैसे मना कर सकता था? हां, कार में बातचीत हुई थी। वह मुझे बहुत प्रोत्साहित कर रहे थे। वह सीजन भी मेरे लिए बहुत अच्छा नहीं चल रहा था।

एशिया कप के लिए अफगानिस्तान की टीम का ऐलान, राशिद खान कप्तान

10 महीने बाद इस खिलाड़ी की वापसी

नई दिल्ल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान ने रविवार (24 अगस्त) को एशिया कप के लिए अपनी 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की। टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात के अबूधाबी और दुबई में खेला जाएगा। राशिद खान टीम की कप्तानी करेंगे। इसके अलावा टीम में तेज गेंदबाज नवीन-उल-हक की 10 महीने बाद वापसी हुई है, जिन्होंने आखिरी बार दिसंबर 2024 में अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व किया था। उनकी वापसी से अफगानिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण और मजबूत होगा। इसमें पहले से ही फजलहक फारूकी, नूर अहमद और शराफुद्दीन अशरफ जैसे गेंदबाज शामिल हैं। मुजीब-उर-रहमान और अल्लाह गजनफर की वापसी हुई है। दोनों इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल पाए थे। स्पिन विभाग में कप्तान राशिद खान और अनुभवी मोहम्मद नबी जैसे अनुभवी गेंदबाज हैं। इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में वापसी करने वाले इब्राहिम जदरान की भी टीम में वापसी हुई है। हजरतुल्लाह जजई टीम से बाहर हैं।

रिजर्व खिलाड़ी में खरोटे

अफगानिस्तान की टीम में शराफुद्दीन अशरफ और फजलहक फारूकी भी शामिल हैं, जो अफगानिस्तान के पास स्पिन, तेज और बल्लेबाजी का एक बेहतरीन संयोजन सुनिश्चित करते हैं। रहमानुल्लाह गुरबाज और मोहम्मद इशाक को टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में जगह मिली है। टूर्नामेंट के लिए रिजर्व खिलाड़ी वफीउल्लाह तराखिल, नांग्याल खरोटे और अब्दुल्ला अहमदजई हैं।

बाबर उप-कप्तान, यासिम कप्तान; एशिया कप 2025 के लिए हांगकांग ने किया अपनी 20 सदस्यीय टीम का ऐलान

ग्रुप बी में अफगानिस्तान

अफगानिस्तान अपने एशिया कप अभियान की शुरुआत 9 सितंबर को हांगकांग के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच से करेगा। ग्रुप बी में अफगानिस्तान और हांगकांग के अलावा बांग्लादेश और श्रीलंका हैं। अफगानिस्तान को 16 सितंबर को बांग्लादेश और 18 सितंबर को श्रीलंका से खेलना है।

एशिया कप 2025 के लिए अफगानिस्तान टीम

राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, दरविश रसूली, सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजई, करीम जनत, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, शराफुद्दीन अशरफ, मोहम्मद इशाक, मुजीब उर रहमान, अल्लाह गजनफर, नूर अहमद, फरीद मलिक, नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी।

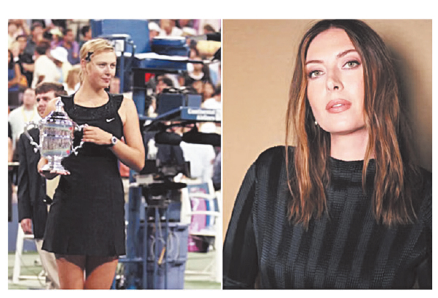

Tennis Hall of Fame:

दिग्गज खिलाड़ी मारिया शारापोवा टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल, ब्रायन बंधु भी सूची में

न्यूपोर्ट, एजेंसी। शारापोवा ने कहा, आपके आसपास किसी ऐसे खिलाड़ी का होना वरदान से कम नहीं है जो आपको चरम पर पहुंचने के लिए प्रेरित करे। अपने जमाने की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी मारिया शारापोवा तथा युगल में अपनी विशेष छाप छोड़ने वाले ब्रायन बंधु माइक और बॉब को अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। इस अवसर पर 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स भी उपस्थित थी। उन्होंने अपनी पूर्व प्रतिद्वंद्वी, पूर्व प्रशंसक और सहेली शारापोवा का परिचय कराया।

सेरेना 2027 में टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने की पात्र होगी। सेरेना ने कहा, मेरे करियर में कुछ ही खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने मुझे हर बार कोर्ट पर उतरते ही सर्वश्रेष्ठ बनने की चुनौती दी। मारिया शारापोवा उनमें से एक थीं। जब भी मैंने ड्रॉ में अपने नाम के बगल में उनका नाम देखा, तो मैंने और कड़ा अभ्यास किया। इस अवसर पर शारापोवा ने कहा, आपके आसपास किसी ऐसे खिलाड़ी का होना वरदान से कम नहीं है जो आपको चरम पर पहुंचने के लिए प्रेरित करे। सेरेना ने मुझे हमेशा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया और इसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करती हूं। विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचने वाली रूस की पहली महिला खिलाड़ी और करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाली दस महिला खिलाड़ियों में से एक शारापोवा को अमेरिका के जुड़वा भाईयों माइक और बॉब ब्रायन के साथ टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया।

हद में रहें! एशिया कप में

इंडिया-पाक मैच से पहले वसीम अकरम ने दी वार्निंग

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में शामिल हैं, उनके साथ ओमान और यूएई ग्रुप ए में हैं. 9 सितंबर से शुरू होने जा रहे इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा इंतजार भारत बनाम पाकिस्तान मैच का ही किया जा रहा है. इस महा-मुकाबले से पहले पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने फैंस और क्रिकेटर्स से भावुक अपील की है.

जब भी भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीम मैदान पर भिड़ती है तो रोमांच चरम पर होता है, मैदान से लेकर लोगों एक घरों तक, माहौल अलग ही हो जाता है. वसीम अकरम ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों और फैंस से अपनी भावनाओं को काबू में रखने की भावुक अपील की है.

भारत बनाम पाकिस्तान मैच को लेकर वसीम अकरम ने क्या कहा?

टेलिकॉम एशिया स्पोर्ट्स से बात करते हुए वसीम अकरम ने कहा, मुझे भरोसा है कि ये भारत बनाम पाकिस्तान के अन्य मैचों की तरह ही शानदार होगा. मुझे यकीन हैं कि दोनों टीमों के प्लेयर्स और फैंस अपनी-अपनी हद में रहेंगे. अकरम ने ये बात दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण हालत को देखते हुए कही.

अकरम ने आगे कहा, भारत बनाम पाकिस्तान मैच को दुनिया भर के अरबों लोग देखते हैं. मैं चाहता हूं कि मैच के दौरान प्लेयर्स और दर्शक अनुशासन दिखाए. अकरम ने माना है कि अभी भारतीय टीम मजबूत है और उन्होंने टीम इंडिया को खिताब का प्रबल दावेदार माना.

भारत बनाम पाकिस्तान मैच कब और कहां होगा?

एशिया कप 2025 में भारत बनाम पाकिस्तान मैच 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा. ये मैच भारतीय समयनुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होगा. दोनों के बीच टूर्नामेंट में कुल 3 मैच हो सकते हैं. एक मैच तय हैं और अगर दोनों सुपर 4 में पहुंची तो 2 और अगर दोनों फाइनल तक गई तो फिर 15 दिनों के अंदर हमें 3 बार भारत बनाम पाकिस्तान देखने को मिलेंगे.

बाबर आजम की कमी खलेगी

एशिया कप के लिए पाकिस्तान टीम में बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को जगह नहीं मिली है. अकरम का मानना है कि पाकिस्तान को बाबर आजम की कमी खलेगी. उनोहने कहा व्यक्तिगत रूप से मैं टीम में बाबर को देखना चाहता था, लेकिन वह चुने नहीं गए. अब टीम में चुने गए प्लेयर्स को आगे बढ़कर अच्छा प्रदर्शन करना होगा.

आर्सेनल की लीड्स पर बड़ी जीत, टॉटेनहैम ने सिटी को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। बार्सिलोना ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में मेजबान टीम लेवांटे पर 3-2 से जीत दर्ज करके अपना विजय अभियान जारी रखा। विक्टर ग्योकेरेस ने आर्सेनल के लिए अपना पहला गोल दागा, जिससे उनकी टीम ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट के मैच में लीड्स को 5-0 से हराया। जुरियन टिम्बर ने 34वें मिनट में आर्सेनल के लिए कॉर्नर से गोल किया, जिसके बाद बुकायो साका ने हाफटाइम के पहले गोल करके घरेलू टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया।

ग्योकेरेस ने शुरुआती दौर में एक आसान मौका गंवाने के बाद वापसी करते हुए दूसरे हाफ के तीन मिनट बाद अपने घरेलू मैदान पर गोल किया। टिम्बर ने इसके बाद अपना दूसरा गोल किया। मैक्स डाउमैन ने बेंच से उतरते हुए दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन किया। वह 15 साल और 235 दिन की उम्र में एथन नवानेरी के बाद आर्सेनल के लिए खेलने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। इस किशोर खिलाड़ी ने स्टॉपेज टाइम में अपनी टीम के लिए पेनल्टी हासिल की, जिसे ग्योकेरेस ने गोल में बदला।इस बीच टॉटेनहैम ने नए कोच थॉमस फ्रैंक के नेतृत्व में प्रीमियर लीग सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उसने ब्रेनन जॉनसन और जोआओ पल्हिन्हा के गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी पर 2-0 की प्रभावशाली जीत हासिल की। डांगो औटारा ने अपने पहले मैच में गोल करके ब्रेंटफोर्ड को एस्टन विला पर 1-0 से जीत दिलाई जबकि बोर्नमाउथ ने वॉल्वरहैम्प्टन पर 1-0 की जीत के साथ अंक तालिका में अपना खाता खोला।

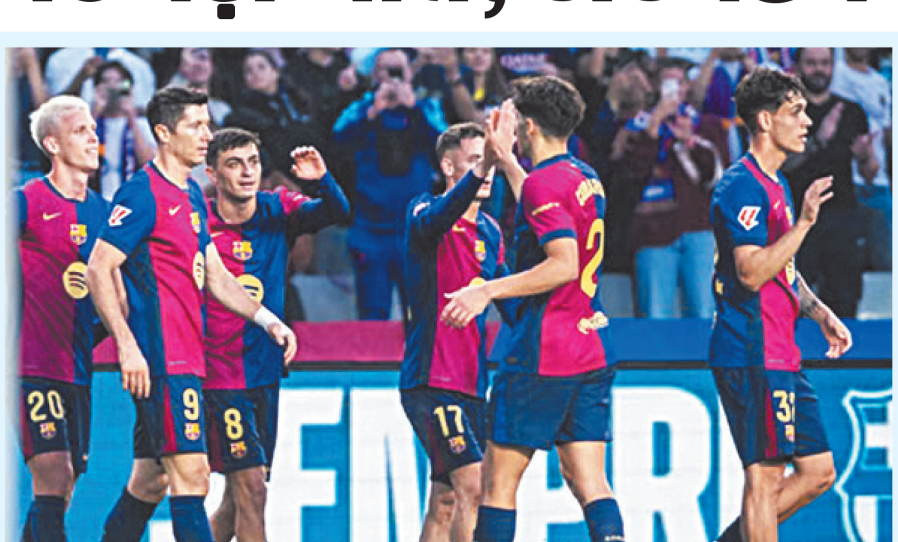

बार्सिलोना का विजयी अभियान जारी

बार्सिलोना ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में मेजबान टीम लेवांटे पर 3-2 से जीत दर्ज करके अपना विजय अभियान जारी रखा। शीर्ष लीग में जगह बनाने वाले लेवांटे ने मध्यांतर तक दो गोल की बढ़त हासिल करके सबको चौंका दिया था। गत विजेता बार्सिलोना को दूसरे हाफ में पेड्री गोंजालेज और फेरान टोरेस ने बराबरी दिलाई। इसके बाद लेमिन यामल ने विजयी गोल करने में मदद की जब उनके क्रॉस पर लेवांटे के उनाई एल्गेज़ाबल ने गेंद को अपने ही नेट में पहुंचा दिया। यह आत्मघाती गोल आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे पहले लेवांटे के स्ट्राइकर इवान रोमेरो ने 15वें मिनट में मैच का पहला गोल दागा। जोस लुइस मोरालेस ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया। इस बीच एटलेटिको मैड्रिड लगातार दूसरे मैच में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाया। उसने एल्चे के साथ 1-1 से ड्रॉ खेलकर अपनी बढ़त गंवा दी। एक अन्य मैच में मालोर्का ने सेल्टा विगो के साथ 1-1 से ड्रॉ खेल कर अंक बांटे।

शाह बोले- विपक्ष जेल से भी सरकार चलाना चाहता है 130वें संविधान संशोधन पर जताया भरोसा

-बोले- विपक्षी दल नैतिकता का समर्थन करेंगे

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में न्यूज एजेंसी ANI को दिए गए एक इंटरव्यू में विपक्ष पर तीखा हमला बोला और साथ ही संसद में लाए गए 130वें संविधान संशोधन विधेयक पर चर्चा की। शाह ने विश्वास जताया कि यह विधेयक संसद से पास होगा और विपक्ष भी अंततः इसे समर्थन देगा, क्योंकि यह केवल राजनीति नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में नैतिकता और पारदर्शिता से जुड़ा हुआ है।

विपक्ष पर तीखा वार: "जेल को सीएम हाउस बनाना चाहते हैं"

शाह ने कहा कि कुछ विपक्षी दल लगातार ऐसी कोशिश में रहते हैं कि अगर कभी जेल जाना पड़े तो वहीं से सरकार चला सकें। उन्होंने तंज कसते हुए कहा – "ये लोग जेल को ही मुख्यमंत्री निवास, प्रधानमंत्री निवास बना देंगे। वहां से ही आदेश दिए जाएंगे और डीजीपी, मुख्य सचिव, गृह सचिव जैसे बड़े अधिकारी जेल से आदेश लेंगे।" उनका इशारा साफ तौर पर उन नेताओं की तरफ था जिन पर गंभीर आपराधिक मामले चल रहे हैं और फिर भी वे राजनीति और सत्ता में बने रहना चाहते हैं। शाह ने कहा कि लोकतंत्र में ऐसी प्रवृत्ति बेहद खतरनाक है और इससे जनता का भरोसा लोकतांत्रिक संस्थाओं से उठ सकता है।

लालू यादव और अध्यादेश प्रकरण का जिक्र

अमित शाह ने इंटरव्यू के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी हमला बोला। उन्होंने याद दिलाया कि जब मनमोहन सिंह सरकार ने लालू प्रसाद यादव जैसे नेताओं को बचाने के लिए एक अध्यादेश लाया था, तो राहुल गांधी ने उसी वक्त उसे फाड़ दिया और सार्वजनिक तौर पर कहा था कि इसकी कोई ज़रूरत नहीं है। शाह ने सवाल उठाया – "उस वक्त राहुल गांधी ने कहा कि भ्रष्टाचार और अपराध से जुड़े नेताओं को बचाने का कोई औचित्य नहीं है। अगर उस दिन नैतिकता थी तो आज क्यों नहीं है? क्या इसलिए कि अब कांग्रेस और विपक्ष लगातार तीन चुनाव हार चुके हैं?"

130वें संविधान संशोधन का महत्व

गृह मंत्री ने विस्तार से बताया कि 130वां संविधान संशोधन लोकतंत्र की मजबूती के लिए बेहद ज़रूरी है। इस संशोधन का उद्देश्य है कि जिन नेताओं पर गंभीर आपराधिक मामले सिद्ध हो जाएं और जिन्हें अदालत सजा सुना दे, वे सत्ता के पद पर बने रहकर लोकतंत्र का दुरुपयोग न करें। शाह का कहना था कि देश की राजनीति को अपराधमुक्त बनाने और लोकतंत्र की पवित्रता बनाए रखने के लिए ऐसे कड़े प्रावधान अनिवार्य हैं।

विपक्ष का विरोध और शाह की प्रतिक्रिया

इंटरव्यू में शाह ने कहा कि विपक्ष केवल राजनीति करने के लिए इस संशोधन का विरोध कर रहा है। लेकिन उन्हें विश्वास है कि जब वास्तविक बहस संसद में होगी, तब अधिकांश विपक्षी दल भी इसे समर्थन देंगे। उन्होंने कहा – "विपक्ष अगर सोचता है कि जनता अपराधियों को सत्ता सौंप देगी, तो यह उनकी भूल है। जनता जागरूक है और उसे साफ-सुथरी राजनीति चाहिए।"

नैतिकता की राजनीति पर सवाल

अमित शाह ने राहुल गांधी और विपक्षी दलों पर सवाल उठाते हुए कहा कि नैतिकता का सहारा लेकर उन्होंने पहले कांग्रेस की सरकार का अध्यादेश फाड़ दिया था। लेकिन आज जब वही स्थिति उनके सामने आ रही है, तो वे चुप क्यों हैं? शाह का तर्क है कि नैतिकता का इस्तेमाल केवल सत्ता पाने के लिए नहीं होना चाहिए बल्कि लोकतांत्रिक परंपरा को मजबूत करने के लिए होना चाहिए।

आने वाले चुनाव और राजनीति का संकेत

गृह मंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब देश की राजनीति में लगातार उथल-पुथल चल रही है और आने वाले विधानसभा तथा लोकसभा चुनावों को देखते हुए हर दल अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में है। शाह के इस बयान से साफ है कि भाजपा विपक्ष को अपराध और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरना चाहती है।

जनता के बीच संदेश

शाह ने इंटरव्यू के जरिए जनता को यह संदेश देने की कोशिश की कि भाजपा अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़ी है और लोकतंत्र को स्वच्छ बनाए रखने के लिए कड़े कदम उठा रही है। वहीं, उन्होंने विपक्ष को यह चुनौती भी दी कि अगर वे सचमुच लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं तो उन्हें इस संशोधन का समर्थन करना चाहिए। अमित शाह के इंटरव्यू से यह साफ झलकता है कि सरकार 130वें संविधान संशोधन को लेकर पूरी तरह गंभीर है और इसे लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए अहम मान रही है। शाह का बयान विपक्ष पर सीधा हमला भी है और जनता को संदेश भी कि भाजपा राजनीति को अपराधमुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। अब देखने वाली बात होगी कि संसद में इस संशोधन को लेकर विपक्ष क्या रुख अपनाता है और जनता इस बहस को किस नज़र से देखती है।

दिल्ली CM रेखा गुप्ता की Z सिक्योरिटी वापस ली गई: हमला और गिरफ्तारी के बाद उठे सवाल

-दिल्ली पुलिस ही सुरक्षा देगी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला सामने आया है। सोमवार को केंद्र सरकार ने उन्हें दी गई Z सिक्योरिटी वापस ले ली। महज़ चार दिन पहले उन पर हमले के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ाई गई थी। अब सुरक्षा की जिम्मेदारी फिर से दिल्ली पुलिस को सौंप दी गई है। इस अचानक फैसले ने कई तरह के सवाल खड़े कर दिए हैं कि आखिर सुरक्षा हटाने के पीछे कारण क्या है।

हमला कैसे हुआ?

20 अगस्त की सुबह दिल्ली CM आवास पर जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित था। इस दौरान कई लोग अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे थे। इन्हीं में से एक शख्स राजेशभाई खीमजीभाई सकरिया भी था। राजेश ने खुद को शिकायतकर्ता बताते हुए मुख्यमंत्री को एक कागज़ थमाया। उसी वक्त उसने रेखा गुप्ता का हाथ खींचकर उन पर हमला करने की कोशिश की। इस अचानक हमले में मुख्यमंत्री के हाथ, कंधे और सिर पर चोटें आईं। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत आरोपी को काबू में लिया और हिरासत में ले लिया। यह घटना राजधानी की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली जगहों में से एक—CM आवास पर हुई। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठे।

हमले के बाद मिली थी Z सिक्योरिटी

हमले के बाद हालात की गंभीरता देखते हुए केंद्र सरकार ने रेखा गुप्ता की सुरक्षा बढ़ाते हुए Z सिक्योरिटी देने का फैसला किया था। यह व्यवस्था आमतौर पर केवल हाई-प्रोफाइल नेताओं और वीवीआईपी व्यक्तियों को दी जाती है। लेकिन, सोमवार को अचानक यह सुरक्षा हटा ली गई और जिम्मेदारी दोबारा दिल्ली पुलिस को सौंप दी गई। सुरक्षा हटाने का कारण आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आया है।

आरोपियों पर कार्रवाई

हमले के बाद पुलिस ने तुरंत ही मुख्य आरोपी राजेशभाई को गिरफ्तार किया। अदालत ने उसे 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा। इस बीच जांच में पता चला कि राजेश का एक सहयोगी भी हमले की साजिश में शामिल था। रविवार को पुलिस ने तहसीन सैयद नामक युवक को गिरफ्तार किया। तहसीन को 22 अगस्त को गुजरात के राजकोट से हिरासत में लिया गया था। पूछताछ के बाद उसे दिल्ली लाकर औपचारिक गिरफ्तारी की गई। इससे साफ होता है कि हमला अचानक नहीं बल्कि सोची-समझी साजिश का हिस्सा हो सकता है।

सुरक्षा हटाने पर उठे सवाल

रेखा गुप्ता पर हुए हमले के बाद सुरक्षा बढ़ाना जायज़ कदम था। लेकिन महज़ 4 दिन बाद ही Z सिक्योरिटी वापस लेना कई सवाल खड़े करता है— क्या खतरों का आकलन बदल गया है?

क्या एजेंसियों को जांच में ऐसा लगा कि अब मुख्यमंत्री पर कोई बड़ा खतरा नहीं है? क्या राजनीतिक दबाव था? कई बार सुरक्षा देने या हटाने का फैसला राजनीतिक समीकरणों पर भी आधारित होता है। क्या दिल्ली पुलिस पर भरोसा जताया गया? केंद्र और राज्य के बीच सुरक्षा को लेकर अक्सर मतभेद होते रहे हैं। ऐसे में यह फैसला दिल्ली पुलिस पर ही जिम्मेदारी डालने की कोशिश भी माना जा रहा है।

दिल्ली में सुरक्षा का सियासी पहलू

दिल्ली में सुरक्षा की जिम्मेदारी सीधे केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस के अधीन होती है। मुख्यमंत्री और मंत्रियों को सुरक्षा देने का अधिकार केंद्र सरकार के पास रहता है। यही कारण है कि अक्सर सुरक्षा से जुड़े मुद्दे राजनीतिक विवाद का रूप ले लेते हैं। रेखा गुप्ता के मामले में भी अब चर्चा हो रही है कि क्या यह सुरक्षा हटाना एक सामान्य प्रशासनिक फैसला है या इसके पीछे कोई राजनीतिक सोच काम कर रही है।

जनता की चिंता

मुख्यमंत्री पर खुलेआम हमला होना जनता के लिए भी चिंता का विषय है। आम नागरिक सोचने पर मजबूर हैं कि अगर राजधानी में मुख्यमंत्री तक पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं, तो आम आदमी की सुरक्षा की गारंटी कौन देगा। लोगों का मानना है कि चाहे Z सिक्योरिटी रहे या न रहे, मुख्यमंत्री और अन्य जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा में किसी तरह की ढिलाई नहीं होनी चाहिए।

आगे क्या?

पुलिस अब मामले की गहन जांच कर रही है। गिरफ्तार आरोपी राजेश और उसके सहयोगी तहसीन से पूछताछ जारी है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि हमला व्यक्तिगत नाराज़गी का नतीजा था या इसके पीछे कोई बड़ी साजिश छिपी है। दिल्ली CM रेखा गुप्ता पर हुआ हमला सिर्फ एक शख्स की हरकत नहीं बल्कि सुरक्षा व्यवस्थाओं पर बड़ा सवाल है। हमला होने के बाद मिली Z सिक्योरिटी चार दिन में हटा लेना और भी रहस्यमय लगता है। यह फैसला प्रशासनिक हो या राजनीतिक, लेकिन इससे जनता की चिंताएं कम नहीं होंगी। अब सबकी निगाहें पुलिस जांच और केंद्र सरकार के अगले कदम पर टिकी हैं।

अंतरिक्ष यात्रा से लौटे शुभांशु शुक्ला का लखनऊ में भव्य स्वागत

-एस्ट्रोनॉट बनकर पहुंचे बच्चों ने वेलकम किया

लखनऊ /यूपी। अंतरिक्ष की यात्रा करके देश का मान बढ़ाने वाले उत्तर प्रदेश के बेटे शुभांशु शुक्ला रविवार को पहली बार लखनऊ पहुंचे। उनके स्वागत में राजधानी का नज़ारा किसी उत्सव से कम नहीं रहा। एयरपोर्ट से लेकर पूरे शहर तक लोग उन्हें देखने और बधाई देने के लिए उमड़ पड़े। स्कूली बच्चों से लेकर राजनीतिक हस्तियों और आम जनता तक, सभी ने गर्व और जोश के साथ इस युवा अंतरिक्ष यात्री का अभिनंदन किया।

एयरपोर्ट पर ढोल-नगाड़ों के बीच हुआ स्वागत

शुभांशु शुक्ला के साथ उनकी पत्नी कामना और छह साल का बेटा किआश भी मौजूद रहे। लखनऊ एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने के लिए हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। लोगों के हाथों में तिरंगा था और माहौल "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम" के नारों से गूंज रहा था। बच्चों ने एस्ट्रोनॉट की ड्रेस पहनकर उन्हें रिसीव किया, जिससे नज़ारा और भी खास बन गया। एयरपोर्ट पर प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने शुभांशु का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें उत्तर प्रदेश का गौरव बताया।

थार और फिर रथ से हुआ रोड शो

एयरपोर्ट से शुभांशु थार जीप पर सवार होकर निकले। जैसे-जैसे उनका काफिला आगे बढ़ा, लोग सड़कों के किनारे खड़े होकर उनका अभिनंदन करते रहे। लगभग 10 किलोमीटर तक थार में सफर करने के बाद शुभांशु एक विशेष रथ पर सवार हुए। रथ को फूलों से सजाया गया था और जगह-जगह मंच बनाकर लोगों ने उन पर पुष्पवर्षा की। यह रोड शो 20 किलोमीटर लंबा था, जो लखनऊ की सड़कों को देशभक्ति और उत्साह से सराबोर कर गया। लोग अपनी छतों और बालकनियों से भी उन पर फूल बरसाते नज़र आए।

अपने स्कूल पहुंचे एस्ट्रोनॉट

इस भव्य रोड शो का समापन सिटी मॉन्टेसरी स्कूल में हुआ, जहां से शुभांशु ने अपनी स्कूली शिक्षा प्राप्त की थी। स्कूल के प्रांगण में छात्रों और शिक्षकों ने उनका भावुक स्वागत किया। शुभांशु ने अपने पुराने शिक्षकों से मुलाकात की और कहा कि आज वे यहां खड़े हैं तो इसका श्रेय सबसे पहले अपने स्कूल और गुरुजनों को जाता है। उन्होंने बच्चों से भी बातचीत की और उन्हें मेहनत, अनुशासन और सपनों पर विश्वास रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष तक का सफर सिर्फ विज्ञान ही नहीं, बल्कि साहस और आत्मविश्वास से भी पूरा होता है।

सीएम योगी से मुलाकात और सम्मान समारोह

दोपहर में शुभांशु लोकभवन जाएंगे, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनकी मुलाकात तय है। मुख्यमंत्री की ओर से यूपी सरकार ने उनके सम्मान में विशेष कार्यक्रम रखा है। इस कार्यक्रम में शुभांशु को राज्य गौरव सम्मान से नवाजा जाएगा।

जनता के दिलों में बसी छवि

शुभांशु शुक्ला का यह पहला दौरा लोगों के लिए यादगार बन गया। जिस तरह से शहरवासियों ने उनका स्वागत किया, उससे साफ है कि लखनऊ ही नहीं, पूरा उत्तर प्रदेश और देश उन पर गर्व कर रहा है। लोग उन्हें "भारत का हीरो" और "युवा प्रेरणा" कहकर संबोधित कर रहे थे। एयरपोर्ट से लेकर स्कूल तक का यह सफर सिर्फ 20 किलोमीटर का था, लेकिन इसमें जो उत्साह, जोश और देशभक्ति देखने को मिली, वह आने वाले समय में लखनऊ के इतिहास में दर्ज हो जाएगी।

भारतीय राजदूत बोले- रूस से तेल खरीदता रहेगा भारत: जहां सस्ता तेल मिलेगा, वहीं से लेंगे

-ट्रम्प के टैरिफ को बताया बेबुनियाद

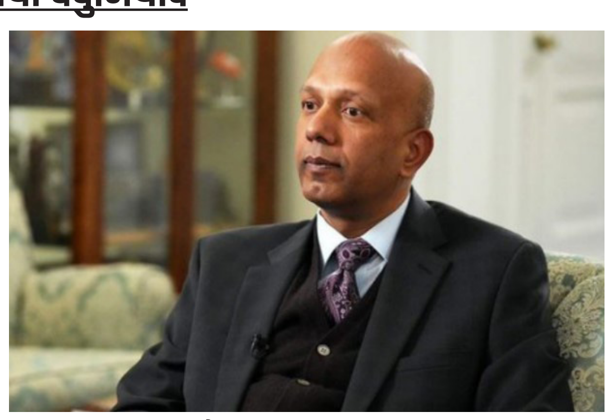

मॉस्को (एजेंसी)। रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार ने रविवार को साफ शब्दों में कहा कि भारत अपनी ऊर्जा ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा। उन्होंने यह बयान रूस की सरकारी समाचार एजेंसी TASS को दिए गए इंटरव्यू में दिया। राजदूत ने स्पष्ट किया कि भारतीय कंपनियां कच्चा तेल वहीं से खरीदेंगी जहां उन्हें सबसे सस्ता और बेहतर सौदा मिलेगा। उन्होंने अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ को बेबुनियाद और अनुचित बताया।

ऊर्जा सुरक्षा भारत की प्राथमिकता

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है। घरेलू उत्पादन उसकी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए काफ़ी नहीं है। ऐसे में भारत की ऊर्जा सुरक्षा पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय बाज़ार पर निर्भर है। रूस से भारत को मिलने वाला कच्चा तेल न केवल सस्ता है बल्कि लगातार सप्लाई भी उपलब्ध रहती है। यही वजह है कि भारत ने पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखी है। राजदूत विनय कुमार ने कहा कि भारत हमेशा से यही नीति अपनाता आया है कि वह ऊर्जा आयात के मामले में किसी एक देश या क्षेत्र पर निर्भर नहीं रहेगा। भारत अपनी ज़रूरतों और आर्थिक हितों को देखते हुए कई देशों से तेल खरीदता है, लेकिन रूस भारत के लिए एक अहम और भरोसेमंद साझेदार है।

अमेरिका का टैरिफ विवाद

हाल ही में अमेरिका ने भारत पर 50% तक का अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। अमेरिका का आरोप है कि भारत रूस से सस्ते दाम पर तेल खरीदकर उसे रिफाइन कर फिर से अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में बेचता है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय राजदूत ने कहा कि यह आरोप पूरी तरह बेबुनियाद है। भारत अंतरराष्ट्रीय नियमों और व्यापार समझौतों का पालन करता है। विनय कुमार ने कहा कि भारत की तेल नीति किसी भी दबाव में नहीं बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर तय होती है। भारत को अपनी 140 करोड़ की आबादी की ऊर्जा ज़रूरतों का ध्यान रखना होता है। ऐसे में अगर रूस सस्ता तेल उपलब्ध कराता है तो भारत उसे क्यों न खरीदे।

भारत-रूस संबंधों की मजबूती

भारत और रूस के बीच दशकों पुराने रिश्ते हैं। रक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान और ऊर्जा के क्षेत्र में दोनों देशों का सहयोग लगातार बढ़ रहा है। रूस भारत को तेल और गैस की सप्लाई में लगातार मदद करता आया है। वहीं भारत भी रूस के लिए एशियाई बाज़ार का एक बड़ा उपभोक्ता है। राजदूत ने कहा कि भारत और रूस के बीच ऊर्जा सहयोग आने वाले वर्षों में और भी गहरा होगा। भारत रूस से न केवल कच्चा तेल बल्कि LNG (Liquefied Natural Gas) और कोयला आयात करने की दिशा में भी काम कर रहा है।

अंतरराष्ट्रीय दबाव और भारत की स्थिति

पिछले कुछ वर्षों से पश्चिमी देश चाहते हैं कि भारत रूस से दूरी बनाए और उसकी ऊर्जा खरीद कम करे। लेकिन भारत ने हमेशा साफ किया है कि उसकी नीति किसी तीसरे देश की मंजूरी पर निर्भर नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई मौकों पर कह चुके हैं कि भारत का पहला कर्तव्य अपने नागरिकों के हित की रक्षा करना है। यही कारण है कि अमेरिका और यूरोप के दबाव के बावजूद भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद नहीं किया। उल्टा, भारत ने रूस से आयात बढ़ाया जिससे घरेलू बाज़ार में पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों पर नियंत्रण रखने में मदद मिली।

आगे की राह

राजदूत विनय कुमार का बयान इस बात का संकेत है कि भारत आने वाले समय में भी रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा। भारत की नीति साफ है— जहां से सस्ता तेल मिलेगा, भारत वहीं से खरीदेगा। अंतरराष्ट्रीय दबाव से अधिक महत्व भारत अपने आर्थिक और ऊर्जा हितों को देगा। भारत किसी भी आरोप या टैरिफ से डरकर अपनी ऊर्जा नीति में बदलाव नहीं करेगा। भारत लगातार अपनी ऊर्जा साझेदारी को विविधता (Diversification) देने पर काम कर रहा है। रूस, खाड़ी देश, अमेरिका और अफ्रीका—हर जगह से भारत आयात बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। भारतीय राजदूत के बयान ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि भारत की ऊर्जा नीति पूरी तरह स्वतंत्र और राष्ट्रीय हित पर आधारित है।

रूस के न्यूक्लियर प्लांट पर यूक्रेन का हमला: स्वतंत्रता दिवस पर 95 ड्रोन दागे जाने का आरोप

-युद्ध का नया मोड़ और अंतरराष्ट्रीय चिंता

कीव/ मास्को (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले ढाई साल से जारी युद्ध लगातार और खतरनाक होता जा रहा है। अब यह जंग सिर्फ सीमाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें न्यूक्लियर प्लांट और बड़े ऊर्जा केंद्र भी निशाना बनाए जा रहे हैं। शनिवार देर रात रूस ने आरोप लगाया कि यूक्रेन ने उसके कुर्स्क क्षेत्र के न्यूक्लियर पावर प्लांट पर ड्रोन हमला किया, जिससे वहां आग लग गई। यह हमला उस समय हुआ जब यूक्रेन अपना 34वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा था।

हमला और उसका असर

रूसी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ड्रोन हमले के बाद न्यूक्लियर पावर प्लांट में आग लग गई। हालांकि रूसी अधिकारियों का कहना है कि आग को तुरंत काबू में ले लिया गया और कोई बड़ा हादसा या जनहानि नहीं हुई। सिर्फ एक ट्रांसफॉर्मर को नुकसान पहुंचा है। रूस का दावा है कि यह हमला बेहद खतरनाक था, क्योंकि यदि आग फैल जाती तो बड़े स्तर पर न्यूक्लियर संकट पैदा हो सकता था। विशेषज्ञों का मानना है कि न्यूक्लियर प्लांट्स पर हमला दोनों देशों के बीच युद्ध को और ज्यादा अस्थिर बना सकता है।

रूस का आरोप और दावा

रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि शनिवार रात और रविवार सुबह तक उसने 95 से ज्यादा यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। रूस का दावा है कि यह हमला यूक्रेन द्वारा सुनियोजित तरीके से किया गया था, ताकि उसके ऊर्जा ढांचे और महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाया जा सके। इसके अलावा रूस ने आरोप लगाया कि यूक्रेन की यह कार्रवाई "आतंकवाद" की श्रेणी में आती है। क्योंकि न्यूक्लियर पावर प्लांट्स पर हमला पूरी दुनिया के लिए खतरा हो सकता है।

यूक्रेन का पलटवार

वहीं दूसरी ओर, यूक्रेन ने भी रूस पर पलटवार का आरोप लगाया। यूक्रेन का कहना है कि रूस ने भी उसी रात 72 ड्रोन और एक क्रूज मिसाइल दागी। इनमें से यूक्रेन ने 48 ड्रोन मार गिराने का दावा किया है। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक, रूस लगातार उसके ऊर्जा ढांचे और शहरों को निशाना बना रहा है। यही वजह है कि यूक्रेन भी रूस के ठिकानों पर जवाबी हमले कर रहा है।

स्वतंत्रता दिवस का दिन और हमले की टाइमिंग

यूक्रेन हर साल 24 अगस्त को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है। इस बार यह उनका 34वां स्वतंत्रता दिवस था। उसी दिन रूस पर इतने बड़े पैमाने पर हमला किया जाना एक प्रतीकात्मक संदेश माना जा रहा है।

विश्लेषकों का कहना है कि यूक्रेन ने इस दिन को चुनकर रूस को यह संदेश देने की कोशिश की कि वह युद्ध के बीच भी अपनी संप्रभुता और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए दृढ़ है।

न्यूक्लियर खतरे का डर

न्यूक्लियर पावर प्लांट्स पर हमला होना बेहद खतरनाक माना जाता है। अगर आग फैल जाती या कोई बड़ा विस्फोट होता तो इसका असर सिर्फ रूस तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे यूरोप और एशिया के लिए खतरा बन सकता था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कई बार चेतावनी दी गई है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में न्यूक्लियर सुविधाओं को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) पहले भी इस तरह की घटनाओं पर चिंता जता चुकी है।

बढ़ता तनाव और भविष्य का खतरा

रूस और यूक्रेन दोनों ही एक-दूसरे पर बड़े पैमाने पर हमले कर रहे हैं। रूस का कहना है कि वह अपने ठिकानों की सुरक्षा के लिए ड्रोन हमलों को विफल कर रहा है। वहीं यूक्रेन का दावा है कि वह सिर्फ जवाबी कार्रवाई कर रहा है। लेकिन लगातार बढ़ते ड्रोन हमले, मिसाइल हमले और न्यूक्लियर प्लांट जैसे खतरनाक ठिकानों को निशाना बनाना यह संकेत दे रहा है कि युद्ध अब और अधिक घातक मोड़ ले रहा है। कुर्स्क न्यूक्लियर पावर प्लांट पर हमला इस बात का सबूत है कि रूस-यूक्रेन जंग अब ऐसे मोड़ पर पहुंच चुकी है, जहां ऊर्जा ढांचे और न्यूक्लियर ठिकाने भी सुरक्षित नहीं रह गए हैं। यह स्थिति सिर्फ दोनों देशों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। अगर इस तरह के हमले जारी रहे तो किसी बड़े न्यूक्लियर हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चाहिए कि वह तुरंत कदम उठाए और दोनों देशों को युद्ध के इस खतरनाक रास्ते से रोकने की कोशिश करे।

भारत के बाद ब्रिटेन-जर्मनी-फ्रांस ने भी रोकी अमेरिका के लिए डाक सेवाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के बाद अब यूरोप के कई बड़े देशों ने भी अमेरिका के लिए डाक सेवा अस्थायी तौर पर बंद कर दी है। इनमें ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, इटली, नीदरलैंड और ऑस्ट्रिया जैसे प्रमुख देश शामिल हैं। इन सभी ने स्पष्ट किया है कि जब तक अमेरिकी प्रशासन अपने नए टैरिफ नियमों को लेकर पूरी तरह पारदर्शी और स्पष्ट जानकारी नहीं देता, तब तक पार्सल या डाक से सामान अमेरिका भेजना मुश्किल रहेगा।

ट्रम्प प्रशासन का आदेश

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसी साल 30 जुलाई 2025 को एक आदेश जारी किया था। इसके तहत अमेरिका आने वाले 800 डॉलर (लगभग 70 हजार रुपए) तक के सामान पर मिलने वाली टैरिफ छूट (ड्यूटी फ्री इम्पोर्ट) को खत्म कर दिया गया है। पहले तक नियम यह था कि कोई भी व्यक्ति या संस्था 800 डॉलर तक का सामान अमेरिका भेजे तो उस पर किसी तरह का कस्टम शुल्क नहीं लगता था। लेकिन अब यह छूट 29 अगस्त 2025 से पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। इस बदलाव का असर न केवल भारत जैसे विकासशील देशों पर पड़ा है, बल्कि यूरोप के विकसित देशों ने भी इसे गंभीर समस्या माना है।

यूरोपियन डाक संगठनों की चिंता

यूरोपियन डाक संगठन पोस्ट यूरोप और अन्य देशों के डाक विभागों का कहना है कि अमेरिकी प्रशासन ने नए टैरिफ नियमों को लेकर पर्याप्त जानकारी और दिशा-निर्देश अब तक साझा नहीं किए हैं। खासकर यह साफ नहीं किया गया है कि – पार्सल भेजने के लिए नया टैक्स ढांचा क्या होगा? कस्टम शुल्क की गणना किस आधार पर की जाएगी? छोटे पार्सल और बड़े व्यावसायिक कंसाइनमेंट में क्या फर्क किया जाएगा? यही अस्पष्टता कई यूरोपीय देशों को डाक सेवा रोकने के लिए मजबूर कर रही है।

भारत ने पहले ही किया था ऐलान

अमेरिका की ओर डाक सेवा सस्पेंड करने की घोषणा सबसे पहले भारत ने की थी। भारतीय डाक विभाग ने कहा था कि जब तक नई कस्टम नीति और शुल्क दरों की पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं हो जाती, तब तक अमेरिका की ओर भेजे जाने वाले पार्सल और डाक पर रोक रहेगी। भारत का कहना था कि अचानक नियम बदलने से न केवल उपभोक्ता को नुकसान होगा बल्कि डाक विभाग को भी कानूनी और आर्थिक दिक्कतें झेलनी पड़ेंगी।

क्यों अहम है यह फैसला?

अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा आयातक देश है। वहां लाखों लोग रोज़ाना यूरोप और एशिया से सामान मंगवाते हैं। इनमें किताबें, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े, छोटे गिफ्ट आइटम और दवाइयां तक शामिल होती हैं। अगर **डाक सेवा बाधित होती है तो –**

ई-कॉमर्स कंपनियों के ऑर्डर रुक जाएंगे। छोटे व्यापारी और ऑनलाइन विक्रेता बड़े पैमाने पर प्रभावित होंगे। आम लोग अपने परिवार और रिश्तेदारों को पार्सल नहीं भेज पाएंगे। अंतरराष्ट्रीय व्यापार और डाक सहयोग को झटका लगेगा।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,